कटनी, भोपाल, मंडला, जबलपुर, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष- 20 अंक 280 ● कटनी ● शनिवार , 14 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 4 ● विक्रम संवत् 2083

जीवन में बदलाव स्वाभाविक है। इसे अपनाना सीखो, लड़ना नहीं।

यश भारत एप्प डाउनलोड करें

Download on the App Store

GET IT ON Google Play

जनजाति गौरव दिवसः जबलपुर पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भगवान बिरसा मुंडा को नमन कर स्वच्छता कर्मचारियों का किया सम्मान

जबलपुर (यश भारत)। *जनजाति गौरव दिवस के पावन अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संस्कारधानी जबलपुर आगमन हुआ। डुमना एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। एयरपोर्ट पर स्कूली बच्चों से आत्मीय मुलाकात के पश्चात मुख्यमंत्री सीधे अधारताल स्थित भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।*

गरिमापूर्ण उपस्थिति और अगवानी

डुमना एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री की अगवानी करने वालों में सांसद आशीष दुबे, विधायक सुशील तिवारी 'इंदु', नीरज सिंह, डॉ. अभिलाष पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, मप्र तेली घानी बोर्ड के अध्यक्ष रविकरण साहू, जेडीए



मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

अध्यक्ष संदीप जैन, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, दिव्यांगजन प्रकोष्ठ अध्यक्ष संदीप रजक सहित नीलेश अवस्थी, पंकज दुबे, रंजीत पटेल व बलराम यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों में संभागायुक्त धनंजय सिंह, आईजी प्रमोद वर्मा, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय भी मौजूद रहे।

मानस भवन में स्वच्छता कर्मचारियों का सम्मान

अधारताल में भगवान बिरसा मुंडा को नमन करने के उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नगर निगम द्वारा मानस भवन में आयोजित स्वच्छता कर्मचारियों के भव्य सम्मान समारोह में शामिल होने पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके थे और सफाई मित्रों का अभिनंदन कर रहे हैं।

गैरीसन ग्राउंड में मुख्य कार्यक्रम

ज्ञात हो कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम सदर स्थित गैरीसन ग्राउंड में आयोजित है, जहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देने के साथ ही सभा को संबोधित करेंगे।

परिसीमन और महिला आरक्षण कानून पास करने विशेष सत्र बुला सकती है मोदी सरकार

केंद्रीय मंत्रियों का दावा पास करने के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद



नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार संसद का एक छोटा विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य परिसीमन और बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण कानून से जुड़े विधेयकों को जल्द से जल्द पारित कराना है। यह संभावित सत्र आगामी शीतकालीन सत्र से पहले आयोजित किया हो सकता है, जो 30 नवंबर या 4 दिसंबर को शुरू होने की संभावना है।बीजेपी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार के पास अभी भी एक छोटा विशेष सत्र आयोजित करने के लिए पर्याप्त समय है। एक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में संकेत दिया था कि विधायी पैकेज को पारित करने के लिए दो विकल्प हैं.....या एक विशेष सत्र में या फिर शीतकालीन सत्र में पारित कराया जाएं। हालांकि, पहले बीजेपी के सहयोगी दलों को संकेत दिया गया था कि इस शीतकालीन सत्र में पारित करने की अधिक संभावना है। इन विधेयकों को पारित कराना मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले लागू करने की दिशा में आखिरी मौका हो सकता है। 2029 में ही लोकसभा चुनाव होने हैं। इस विधायी पैकेज में एक संविधान संशोधन विधेयक प्रमुख है, जो कि परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए एक जटिल संख्याबल की जरुरत होती है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में अलग-अलग पारित करना होता है, जिसके लिए कुल सदस्यता के बहुमत के साथ-साथ मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई समर्थन की अनिवार्य शर्त होती है।

पुल की रेलिंग तोड़कर नीचे गिरी बस, महिला की मौत, 20 घायल

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में तेज रफ्तार निजी बस पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। हादसे में एक महिला यात्री की मौत हो गई, जबकि 20 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और बचाव दल की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इससे पहले अक्टूबर में महाराष्ट्र के बीड जिले के माजलगांव तालुका में एसटी बस और कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई थी। कार सवार श्रद्धालु तुलजापुर दर्शन के लिए जा रहे थे। वहीं नवी मुंबई में भी बस का ब्रेक फेल होने से तीन रिक्शा और तीन कारों से टक्कर हो गई थी, जिसमें नौ लोग घायल हुए थे। लगातार हो रहे बस हादसों ने यात्री सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। तेज रफ्तार, तकनीकी खराबी और चालकों की लापरवाही दुर्घटनाओं की वजह बन सकती है। ऐसे हादसों को रोकने के लिए वाहनों की नियमित जांच और चालकों के काम के घंटों तथा आराम को लेकर नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है।

कराची में सात महीने से फंसे छह भारतीय नाविक

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर छह भारतीय नाविक पिछले करीब सात महीनों से फंसे हुए हैं। इनमें मर्चेंट नेवी के एक चीफ ऑफिसर भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत सरकार ने नाविकों की वापसी के लिए पाकिस्तान से राजनयिक सहायता मांगी है। उन्होंने कहा कि मामला भारत-पाकिस्तान के बीच राजनीतिक विवाद का नहीं, बल्कि जहाज की मालिक कंपनी और कर्मचारियों के बीच व्यावसायिक विवाद का है। प्रयागराज निवासी अधिकारी विनीत किशोर मिश्रा के परिवार का आरोप है कि नाविकों के पासपोर्ट जब्त हैं और जहाज की बिजली आपूर्ति बंद है। खराब संचार व्यवस्था के कारण परिजनों से बातचीत भी मुश्किल हो रही है।

एनसीपी के दोनों गुटों का विलय नहीं, एनडीए में जा सकते हैं शरद पवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय की अटकलों पर विराम लगता दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार का गुट बिना विलय के ही भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने की संभावनाएं तलाश रहा है। सांसद सुप्रिया सुले ने दिल्ली में कहा कि विलय की चर्चा उसी समय खत्म हो गई थी, जब उनके भाई अजित पवार ने पार्टी छोड़ी थी। इस बयान से दोनों गुटों के फिर एक होने की संभावना कमजोर पड़ गई है। सूत्रों के अनुसार, शरद पवार का गुट स्वतंत्र पार्टी के रूप में सत्ताधारी गठबंधन में शामिल हो सकता है। इसके बदले केंद्र और महाराष्ट्र सरकार में पद मिलने की संभावनाएं भी जताई जा रही हैं।

अमेरिका में तकनीकी खराबी से सात हजार उड़ानें प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। *अमेरिका में टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम में गंभीर तकनीकी खराबी के कारण हवाई यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) को देशभर में उड़ानों पर अस्थायी रोक यानी ग्राउंड स्टॉप लागू करना पड़ा। इस व्यवधान से करीब सात हजार उड़ानें देरी से चलीं या रद्द करनी पड़ीं। शुरुआती जांच में साइबर हमले या खतरनाक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका के संकेत नहीं मिले हैं।*



होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी मार्कवेन मुलिन ने कहा कि अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे साइबर हमले की आशंका साबित हो। प्रभावित सिस्टम में संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि या अनधिकृत प्रवेश के संकेत भी नहीं मिले। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच जारी है और तकनीकी खराबी का वास्तविक कारण अभी सामने नहीं आया है। परिवहन मंत्री सीन डफी के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3:36 बजे एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटरों और टर्मिनल रडार सुविधाओं में रडार और संचार प्रणालियां अस्थिर हो गई थीं। पुराने एनालॉग उपकरण डेटा का अत्यधिक दबाव नहीं संभाल सके, जिससे सूचना के आदान-प्रदान में गड़बड़ी हुई। उनके अनुसार, नए इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) स्विच सामान्य रूप से काम करते रहे। ग्राउंड स्टॉप लागू होने के समय तीन हजार पांच सौ से अधिक विमान हवा में थे। अधिकारियों ने सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर सभी विमानों की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित की। मेडिकल इमरजेंसी, जरूरी दवाओं की ढुलाई और कानून प्रवर्तन से जुड़ी उड़ानों को छूट दी गई। एफएए ने बाद में बताया कि सभी विमानों का पता लगा लिया गया है। फ्लाइट ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, करीब सात हजार उड़ानें प्रभावित हुईं। एयरलाइंस ने यात्रियों को अपनी उड़ानों की स्थिति जांचने की सलाह दी।

रामलीला मैदान में प्रदर्शन के लिए 50 हजार लोगों की सीमा का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रामलीला मैदान में धरना-प्रदर्शन, रैली और जनसभाओं के आयोजन के लिए नए नियम लागू किए जा सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने आयोजनों को व्यवस्थित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत एक कार्यक्रम में अधिकतम 50 हजार लोगों को शामिल होने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। साथ ही आयोजन का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित करने की बात कही गई है। मसौदे के अनुसार, हर कार्यक्रम में भीड़ की वास्तविक संख्या संबंधित सक्षम अधिकारी तय करेंगे। इसके लिए आयोजन की प्रकृति, संभावित भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था का आकलन किया जाएगा। हालांकि, किसी भी स्थिति में प्रस्तावित 50 हजार की अधिकतम सीमा से अधिक लोगों को जुटाने की अनुमति नहीं होगी। नए नियमों के तहत आयोजकों को कार्यक्रम की तारीख से कम से कम 10 दिन पहले अनुमति के लिए आवेदन करना होगा।

खरगोन और खंडवा में भूकंप के झटके रिक्टर स्केल पर 4.5 रही तीव्रता



नई दिल्ली, एजेंसी। मध्यप्रदेश के खरगोन, खंडवा और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह अचानक भूकंप के झटके महसूस किए जाने से लोगों में हड़कंप मच गया। सुबह के समय धरती में हुए इस कंपन के कारण कई लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 14 नवंबर 2026 को सुबह ठीक 9 बजकर 15 मिनट 28 सेकंड पर इस भूकंप को रिकॉर्ड किया गया। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई है, जिसे मध्यम श्रेणी का माना जाता है। भूकंप की इस घटना के बाद पूरे निमाड़ क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया और लोग एक-दूसरे को फोन कर कुशलक्षेम पूछते नजर आए।राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र द्वारा साझा की गई तकनीकी जानकारी के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र खरगोन क्षेत्र में जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। वैज्ञानिकों ने भूकंप के केंद्र की सटीक भौगोलिक स्थिति 21.59 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज की है। भौगोलिक रूप से यह स्थान धार जिले के धामनोद से लगभग 69 किलोमीटर दक्षिण में स्थित बताया गया है। इसके अलावा, यह केंद्र प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से करीब 129 किलोमीटर दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम दिशा में दर्ज किया गया है।भू-गर्भ विशेषज्ञों के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन से महज 10 किलोमीटर नीचे यानी काफी कम गहराई पर होने के कारण इसका असर सतह पर स्पष्ट रूप से महसूस हुआ।

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामला

छह राज्यों में सीबीआई की ताबड़तोड़ छापेमारी, 33 ठिकानों पर दबिश

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बहुचर्चित महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप घोटाले के खिलाफ देशव्यापी स्तर पर अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया है। जांच एजेंसी ने ओमान से प्रत्यर्पित किए गए मुख्य आरोपी और ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के दौरान मिले अहम सुरागों के आधार पर छह राज्यों के कुल 33 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। इस बहुराज्यीय कार्रवाई से अवैध सट्टेबाजी सिंडिकेट से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। सीबीआई अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, यह व्यापक छापेमारी अमृतसर, दिल्ली, नागौर, धौलपुर, भोपाल, रायपुर, दुर्ग, इंदौर, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, मुंबई और नागपुर जैसे देश के प्रमुख शहरों में स्थित ठिकानों पर की गई है। जांच के दौरान कई स्थानों पर अवैध रूप से संचालित हो रहे लाइव बेटिंग और जुए के पैनल पकड़े गए, जिन्हें केंद्रीय टीम ने तुरंत प्रभाव से बंद करवा दिया है। छापों के दौरान भारी मात्रा में डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन, लैपटॉप और कई गोपनीय दस्तावेज बरामद किए गए हैं।प्रारंभिक तकनीकी जांच में यह खुलासा हुआ है कि इस अवैध नेटवर्क में पैसों के भारी-भरकम लेन-देन के लिए 'म्यूल बैंक खातों' (दूसरों के नाम पर किराए पर या फर्जी तरीके से खोले गए बैंक खाते) और हवाला नेटवर्क का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा था।



आईफोन और बाइक के लिए 13 वर्षीय लड़की ने नाना की हत्या कराई

कोच्चि, एजेंसी। केरल के करुवट्टा में 13 साल की लड़की ने अपने तीन नाबालिग दोस्तों के साथ मिलकर नाना की हत्या की साजिश रची। आरोप है कि आईफोन और दोस्त के लिए मोटरसाइकिल खरीदने के लिए पैसे जुटाने के मकसद से वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने किशोर न्याय बोर्ड में 740 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। आरोपियों में दो की उम्र 17 साल, एक की 16 साल और लड़की की उम्र 13 साल है। पुलिस के अनुसार, तीनों लड़के घर में घुसे और बुजुर्ग का मुंह कपड़े से बंद कर हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद मारपीट कर उनकी हत्या कर दी और करीब 36 ग्राम सोना चुरा लिया। जांच में सामने आया कि वारदात की योजना दो महीने पहले बनाई गई थी। आरोपी इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क में थे।

दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में मेरठ तीसरे स्थान पर



मेरठ(ईएमएस)। वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है, जिससे शहर की हवा धूल और धुएं के गुबार में सिमट गई है। पिछले 72 घंटे से हवा की रफ्तार लगभग शून्य है और वातावरण में अत्यधिक आद्रता है, जिसके चलते प्रदूषक तत्व कहीं आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। शुक्रवार को दिनभर धूप गायब रही और आसमान में धुंध की घनी चादर छाई रही। रात नौ बजे एक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म पर मेरठ का रियल टाइम एक्यूआई 540 का स्तर छू गया। इस आंकड़े के साथ मेरठ दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में तीसरे नंबर पर रहा। इसी समय रोहतक और सिरसा क्रमशः 546 और 544 के एक्यूआई के साथ दुनिया के टॉप-2 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में रिकॉर्ड किए गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के पोर्टल पर भी रात नौ बजे एमआईईटी केंद्र का एक्यूआई सर्वाधिक 337 दर्ज हुआ। शहर के पांचों निगरानी केंद्रों पर पीएम-10 और पीएम-2.5 प्रदूषक 350 से 500 के बीच दर्ज किए गए, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक स्तर है। तीन दिन से बनी धुंध-धुएं की चादर के कारण लोग सांस लेने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। अस्थमा से पीड़ित मरीजों की स्थिति बिगड़ रही है, जबकि स्वस्थ व्यक्तियों को भी गले में खराश की शिकायत हो रही है। इस प्लेटफॉर्म ने मेरठ की हवा को बेहद खतरनाक मानते हुए लोगों को मास्क लगाने और अत्यधिक समय तक सीधे खुले में न रहने की सलाह दी है।मेरठ में हवा की गति लगभग शून्य होने और अधिकतम-न्यूनतम आद्रता का स्तर 96 एवं 69 फीसदी होने से शहर से निकलने वाले धूल-धुएं सहित सभी प्रदूषक आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।



यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती बस में लगी आग, 40 यात्री सुरक्षित

मथुरा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे पर राया के पास दिल्ली से छतरपुर जा रही एक निजी बस में अचानक आग लग गई। माइलस्टोन 110 के पास चलती बस आग की लपटों से घिर गई। आग देखकर यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद बस में सवार करीब 40 यात्रियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। बस में आग लगने से यात्रियों का अधिकांश सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही यमुना एक्सप्रेसवे की दमकल टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के बाद बस पूरी तरह आग की चपेट में आ गई थी। चालक जितेंद्र ने बताया कि बस खजुराहो ट्रैवल्स की थी और दिल्ली के कश्मीरी गेट से यात्रियों को लेकर मध्य प्रदेश के छतरपुर जा रही थी। वह मध्य प्रदेश के नौगांव का निवासी है। आग लगते ही उसने बस रोक दी, जिससे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने का मौका मिल गया। पुलिस के देर से पहुंचने को लेकर यात्रियों में आक्रोश रहा। हालांकि, राहत की बात रही कि हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कार में लगी आग, तीनों सवारों ने कूदकर बचाई जान

सिवनी-मंडला मार्ग पर ग्राम छुई के पास हुआ हादसा, मारुति इग्निस देखते ही देखते जलकर हुई खाक

सिवनी यश भारत। *सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिवनी-मंडला मार्ग पर ग्राम छुई के पास शुक्रवार रात एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से मारुति सुजुकी इग्निस कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई।*



गनीमत रही कि कार में सवार तीनों लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीन लोग मारुति सुजुकी इग्निस कार में सवार होकर सिवनी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम छुई के समीप अचानक कार के अंदर से धुआं उठने लगा। कार में धुआं भरता देख उसमें सवार लोगों को खतरे का अहसास हुआ और उन्होंने बिना देर किए कार से बाहर निकलना ही उचित समझा। तीनों के सुरक्षित बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद कार में आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार आग की लपटों से घिर गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने कार को जलते देखा तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही समय में कार का अधिकांश हिस्सा जल गया और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के चलते मार्ग पर कुछ समय के लिए लोगों की आवाजाही भी प्रभावित रही। घटना की सूचना मिलने पर कान्हीवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए जांच शुरू की। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। तकनीकी खराबी, शॉर्ट सर्किट अथवा किसी अन्य कारण से आग लगने की आशंका के पहलुओं की जांच की जा रही है। इस घटना में सबसे राहत की बात यह रही कि कार में सवार तीनों लोगों ने समय रहते वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। यदि आग लगने के दौरान वे कार के अंदर ही रह जाते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पिछोर बनेगा मध्यप्रदेश का नया जिला ?

शिवपुरी, एजेंसी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शिवपुरी जिले के पिछोर में लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त जारी की। सिंगल क्लिक के माध्यम से एक करोड़ 24 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में 1,831 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि अंतरित की गई। इसके साथ ही स्व-सहायता समूहों के लिए 200 करोड़ रुपये भी जारी किए गए। कार्यक्रम में पिछोर को जिला बनाने की मांग प्रमुखता से उठी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे थे। पिछोर विधायक प्रीतम लोधी ने भी मंच से मुख्यमंत्री के सामने जिला बनाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय से इस मांग को उठा रहे हैं और अब इस पर निर्णय होना चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में परिसीमन के बाद नए जिले और संभाग बनाने की संभावनाओं पर विचार किया जा सकेगा। पिछोर को जिला बनाने के संबंध में भी वर्ष 2027 में परिसीमन के बाद निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस बयान से फिलहाल तत्काल जिला बनाने की उम्मीद पर विराम लग गया है। पिछोर को जिला बनाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में भी इस संबंध में घोषणा की गई थी। इसके बाद से स्थानीय लोग लगातार मांग कर रहे हैं। इस बार भी लोगों ने कार्यक्रम में बैनर और पोस्टर के माध्यम से अपनी मांग मुख्यमंत्री तक पहुंचाई। विधायक प्रीतम लोधी ने मुख्यमंत्री के बयान के बाद कहा कि भाजपा में 'प्राण जाए पर वचन न जाए' की परंपरा रही है।

योजना क्रमांक 17 और एमएसडब्ल्यू पर चर्चा

भूमि पूजन के मुद्दे पर गरमाया सदन, एमआईसी सदस्य निकले सदन से बाहर



निगम परिषद की बैठक में तीखी बहस

कटनी, यशभारत। नगर निगम परिषद की बैठक में शहर के विकास, आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता और बहुचर्चित योजना क्रमांक 17 जैसे गंभीर मुद्दों के बीच, लोकार्पण और भूमि पूजन के मामले को लेकर सदन में जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। तीखी बहस और तकरार के बीच स्थिति इतनी गरमा गई कि महापौर बैठक छोड़कर चली गईं। उल्लेखनीय है कि इस बैठक में विधायक संदीप जायसवाल भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान जब लोकार्पण और भूमि पूजन का मुद्दा सदन में उठा, तो माहौल गर्मा गया। पार्षद अवकाश जायसवाल ने मुद्दा उठाया कि केवल भूमि पूजन के चक्कर में शहर के विकास कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने अपने वार्ड का विशेष हवाला देते हुए बताया कि प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बावजूद पिछले 5 महीनों से काम शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने संबंधित इंजीनियरों और अधिकारियों के चक्कर काटने की बात कहते हुए महापौर प्रीति सूरी पर प्रत्यक्ष रूप से पक्षपात के गंभीर आरोप लगाए। जब पार्षद मौसूफ बिट्टू के सवाल पर महापौर प्रीति सूरी ने खुद जवाब देना शुरू किया, तो पार्षद मौसूफ बिट्टू ने यह कहते हुए आपत्ति जताई कि 'अभी आपसे सवाल नहीं किया जा रहा है, पहले अधिकारी जवाब दे लें, उसके बाद आप से भी चर्चा होगी।' इस बात पर दोनों ओर से आवाजें तेज होने लगीं और सदन में गहमागहमी बढ़ गई। इस दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य और बीजेपी पार्षद इसे महापौर का अपमान बताने लगे, जिसके विरोध में कांग्रेस पार्षद भी अपनी बात पर डटे रहे और तेज आवाज में अपने तर्क रखते रहे। विवाद और तीखी तकरार से नाराज होकर महापौर प्रीति सूरी बैठक से चली गईं। उनके साथ एमआईसी मेंबर भी सदन से निकल गए।

योजना क्रमांक 17 पर भी हुई लंबी चर्चा

सदन में योजना क्रमांक 17 को लेकर भी पक्ष-विपक्ष के बीच विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। कांग्रेस के वरिष्ठ पार्षद मिथिलेश जैन ने कहा कि यह शासन की योजना थी, इसलिए इसे आगे बढ़ाने या स्वीकार करने से पहले सदन को बेहद गंभीरता से तकनीकी बिंदुओं पर विचार करना चाहिए। पार्षद मौसूफ बिट्टू ने सुझाव दिया कि चूंकि इस प्रकरण की पहले जांच हो चुकी है, इसलिए सभी पार्षद इसका अध्ययन कर लें ताकि सही मंथन कर किसी ठोस निर्णय पर पहुंचा जा सके।एल्डरमैन नरेश अग्रवाल ने भूस्वामियों के पक्ष में तर्क रखते हुए योजना के लंबे समय से लंबित रहने पर कड़े सवाल उठाए। अंततः यह निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा और मंथन होगा। शहर में डोर टू डोर कचरा संग्रहण का कार्य कर रही (म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट) कंपनी की कार्यप्रणाली पर भी सदन में कड़ा रुख अपनाया गया। पार्षदों द्वारा उठाए गए इस गंभीर मुद्दे पर नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार ने कंपनी की कमियों का कच्चा चिट्ठा सदन के सामने रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही बरतने वाली इस कंपनी को टर्मिनेट करने की कार्रवाई की जा रही है, साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था को बनाए रखने के लिए नई कंपनी की नियुक्ति की प्रक्रिया भी जारी है। दोनों प्रक्रिया साथ साथ चल रही है। अग्निशमन विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए सभी वाहनों को दुरुस्त रखने और केवल प्रशिक्षित एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त कर्मचारियों की ही उपलब्धता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में बरही की भीषण अग्नि दुर्घटना में एक ही परिवार के छह सदस्यों के निधन, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की माताजी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रश्नों को चर्चा में शामिल न करने का आरोप

पार्षद मिथलेश जैन ने आरोप लगाया कि उनके द्वारा अतिक्रमण विभाग की गतिविधियों के संबंध में अगस्त में लगाए गए प्रश्न को चर्चा में शामिल नहीं किया गया और ना ही जवाब दिया गया। इस पर अध्यक्ष की व्यवस्था पर महापौर द्वारा आश्वस्त किया गया कि इसको आगामी बैठक में शामिल किया जाएगा। पार्षद मिथलेश जैन के पत्र के आधार पर कटनी एमएसडब्ल्यू के संबंध में गंभीर चर्चा हुई। आरोप लगाया गया कि कटनी एमएसडब्ल्यू द्वारा कचरा संग्रहण का कार्य सही तरीके से नहीं किया जा रहा है उसके वाहन कंडम हो गए हैं और नए वाहन नहीं खरीदे जा रहे हैं। शहर में कचरा दान नहीं रखे जा रहे हैं। कचरे का निष्पादन सही तरीके से नहीं हो रहा है। आयुक्त ने भी जवाब देकर बतलाया कि कटनी एमएसडब्ल्यू द्वारा सही तरीके से कार्य नहीं किया जा रहा है और उसे ठेका समाप्ति हेतु नोटिस भी जारी किया गया है। राजीव गांधी शॉपिंग कंपलेक्स पर चर्चा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि उच्च न्यायालय के आदेश को सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टे कर दिया गया है। इसलिये इस पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका।

क्या राजीव गांधी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के मुद्दे पर जानबूझकर चर्चा नहीं होने दी

नगर निगम से जुड़े कुछ जनप्रतिनिधियों का कहना है कि स्टेशन रोड स्थित राजीव गांधी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को लेकर प्रमोटर के पक्ष में डिक्री आदेश से उत्पन्न स्थिति के मामले में जानबूझकर परिषद की बैठक में चर्चा नहीं होने दी गई। स्टे के बहाने बात को खत्म करने की कोशिश की गई। खबर है कि प्रमोटर की ओर से कतिपय पार्षदों को अपने पक्ष में दबाव बनाने के लिए राजी कर लिया गया है। ऐसे पार्षद चाहते हैं कि नगर निगम इस मामले में उलझा रहे और उसे प्रमोटर को करोड़ों की राशि देना पड़े, ताकि उनका भी बीच में फायदा हो जाए।

ठेका लिया, कार्यादेश पाया और फिर मुकर गए ठेकेदार!

दोनों फर्मों की अमानत राशि राजसात; अब निगम की निविदाओं में नहीं ले सकेंगे हिस्सा



निगमायुक्त ने दो साल के लिए किया ब्लैकलिस्ट

कटनी,यशभारत। सरकारी निर्माण कार्यों का ठेका हासिल करने के बाद जिम्मेदारी से पीछे हटना दो ठेकेदारों को भारी पड़ गया। नगर निगम से कार्यादेश जारी होने के बावजूद निर्धारित समय-सीमा में अनुबंध निष्पादित नहीं करने पर निगमायुक्त तपस्या परिहार ने दोनों फर्मों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। उनकी स्वीकृत निविदाएं निरस्त कर अमानत राशि राजसात कर ली गई है। साथ ही आगामी दो वर्षों तक नगर निगम की निविदाओं में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जानकारी के अनुसार, गणेश प्रसाद मसुरहा वार्ड के विभिन्न स्थानों पर सीसी रोड निर्माण का कार्य मेसर्स लक्ष्मी कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर्स को तथा इंदिरा गांधी वार्ड क्रमांक-4 के चौधरी मोहल्ला, कुठला में सीसी नाली निर्माण का कार्य मेसर्स राज कंस्ट्रक्शन को सौंपा गया था। निविदा की शर्तों के मुताबिक दोनों ठेकेदारों को परफॉर्मेंस गारंटी और अतिरिक्त परफॉर्मेंस गारंटी की राशि जमा करने के बाद 15 दिनों के भीतर अनुबंध निष्पादित करना था, लेकिन कार्यादेश मिलने के बावजूद दोनों फर्मों ने निर्धारित प्रक्रिया पूरी नहीं की। निगम प्रशासन ने 3 जुलाई 2026 को दोनों ठेकेदारों को पत्र जारी कर सात दिवस के भीतर अनुबंध निष्पादित करने का अंतिम अवसर भी दिया था। चेतावनी के बावजूद कोई पहल नहीं हुई। इसके बाद निगमायुक्त ने दोनों की निविदाएं निरस्त करने, अमानत राशि राजसात करने और दो साल तक निगम की निविदाओं से बाहर रखने के आदेश जारी किए। इस कार्रवाई से नगर निगम ने ठेकेदारों को स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी काम का ठेका लेकर पीछे हटना अब आसान नहीं होगा। निविदा हासिल करना ही जिम्मेदारी की इतिश्री नहीं है, बल्कि तय समय में अनुबंध कर निर्माण कार्य शुरू करना भी अनिवार्य है। शहर के विकास कार्यों में देरी और शासकीय प्रक्रिया की अनदेखी करने वालों पर अब आर्थिक कार्रवाई के साथ निविदाओं से प्रतिबंध का भी सामना करना पड़ेगा।

रीठी थाना क्षेत्र में सट्टे का काला कारोबार

क्या कानून के रखवालों की नजरों से दूर है अवैध धंधा, बस स्टैंड सहित क्षेत्र में खुले-आम सट्टा पट्टी लिखे जाने की चर्चा, मोबाइल के जरिए भी नंबर लगाने की शिकायतें

रीठी (कटनी), यशभारत। जिले में जुआ और सट्टे के अवैध कारोबार पर सख्ती के पुलिसिया दावों के बीच रीठी थाना क्षेत्र से सामने आ रही शिकायतें और चर्चाएं पुलिस की कार्य-प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि रीठी बस स्टैंड क्षेत्र और बड़गांव सहित कई गांवों में कथित तौर पर सट्टा पट्टी लिखने का कारोबार बेखौफ संचालित हो रहा है। इतना ही नहीं, मोबाइल फोन के माध्यम से भी नंबर लगाए जाने की चर्चाएं हैं। हकीकत चाहे कागज की पर्चियों के जरिए नंबर लिखने की हो या मोबाइल के माध्यम से सट्टे का खेल संचालित करने की, लेकिन यदि शिकायतों में सच्चाई है तो यह कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। सवाल यह है कि सार्वजनिक क्षेत्र और गांवों में कथित तौर पर चल रहे इस अवैध कारोबार की जानकारी जिम्मेदारों तक क्यों नहीं पहुंच रही? और यदि जानकारी है तो अब तक प्रभावी कार्यवाही क्यों नहीं हुई? एक ओर कटनी पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्यवाही और अपराधियों को पकड़ कर न्यायालय में पेश किए जाने की बात कही जाती है, वहीं दूसरी ओर रीठी क्षेत्र से मिल रही शिकायतें इन दावों की जमीनी समीक्षा की मांग कर रही हैं। ऐसे में कई सवाल स्वाभाविक रूप से सामने आते हैं, क्या स्थानीय थाना पुलिस तक इस गतिविधि की जानकारी नहीं पहुंच रही? क्या थाना स्तर पर निगरानी व्यवस्था कमजोर है? क्या थाना प्रभारी द्वारा पुलिस अधीक्षक को वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जा रहा है? और यदि शिकायतें सही हैं तो आखिर कार्यवाही में देरी की वजह क्या है? यह भी जांच का विषय है कि कहीं किसी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता अथवा अवैध कारोबारियों को अप्रत्यक्ष संरक्षण तो नहीं मिल रहा। हालांकि, किसी भी प्रकार की मिली-भगत या संरक्षण का निष्कर्ष निष्पक्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। इस कथित अवैध कारोबार का सबसे चिंताजनक पहलू इसका सामाजिक और पारिवारिक दुष्परिणाम है। दिन भर मजदूरी और मेहनत करके परिवार का पेट पालने वाले लोग अधिक कमाई और रातों-रात अमीर बनने की उम्मीद में अपनी खून-पसीने की कमाई सट्टे में गंवा बैठते हैं। नतीजा यह होता है कि घर का राशन, बच्चों की फीस, शिक्षा, दवाइयां और दैनिक जरूरतें प्रभावित होने लगती हैं। आर्थिक तंगी परिवारों में तनाव और कलह को जन्म देती है। कई बार कर्ज और आर्थिक बदहाली का दुष्चक्र भी शुरू हो जाता है।जनहित में पुलिस अधीक्षक कटनी से अपेक्षा है कि वे रीठी थाना क्षेत्र की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय पुलिस से अलग निष्पक्ष टीम के माध्यम से गोपनीय जांच कराएं। बस स्टैंड एवं अन्य गांवों सहित संदिग्ध स्थानों पर निगरानी बढ़ाई जाए तथा मोबाइल के जरिए संचालित कथित सट्टा नेटवर्क की भी वैधानिक तरीके से जांच हो।यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो सट्टा संचालित करने वालों, उनके सहयोगियों और किसी भी स्तर पर लापरवाही या संरक्षण देने वालों के विरुद्ध साक्ष्यों के आधार पर कठोर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। वहीं, यदि शिकायतें निराधार पाई जाती हैं तो वास्तविक स्थिति भी सार्वजनिक की जाए। आखिर सवाल यह है कि जब जिले में सट्टे के खिलाफ सख्ती के दावे किए जा रहे हैं, तो रीठी में उठ रही इन शिकायतों की सच्चाई क्या है? क्या पुलिस प्रशासन इस पर संज्ञान लेकर जवाब-देही तय करेगा, या गरीब और मध्यम-वर्गीय परिवार इसी तरह अपनी मेहनत की कमाई गंवाते रहेंगे? अब जरूरत केवल कार्यवाही के दावे की नहीं, बल्कि धरातल पर कानून के राज को साबित करने की है। विश्वसनीय सूत्रों की माने तो कुछ जगहों पर रीठी पुलिस ने सत्ता पट्टी काटने वालों पर शिकंजा कसा है।

जनविश्वास शिविर में पहुंचे 63 आवेदन

देवरीहटाई में ग्रामीणों ने राजस्व, राशन, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं रखीं, निराकरण की प्रक्रिया पर रहेगी नजर



कटनी,यशभारत। सरकारी योजनाओं और विभागीय सेवाओं से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए ग्राम देवरीहटाई में आयोजित जनविश्वास शिविर में ग्रामीणों ने 63 आवेदन सौंपे। आवेदनों में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित मामले शामिल रहे। शिविर में सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ लेने पहुंचे तीन आवेदकों को योजना से लाभान्वित किया गया। अन्य आवेदनों को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर उनके निराकरण की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही गई। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान-2026 के तहत आयोजित शिविर में अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, एसडीएम जितेंद्र पटेल, तहसीलदार अतुलेश सिंह और जनपद पंचायत सीईओ प्रदीप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। शिविर में 63 आवेदन मिलना बताता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विभागीय सेवाओं से जुड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। अब अहम सवाल यह है कि इन आवेदनों में से कितनों का समय-सीमा में निराकरण होता है और कितने ग्रामीणों को वास्तविक राहत मिलती है।

रीठी स्वास्थ्य केंद्र में हरे भरे पेड़ पर चली कुल्हाड़ी

मरीजों की छांव छीनी, बिना अनुमति पेड़ कटवाने का आरोप



रीठी, कटनी। पर्यावरण संरक्षण के सरकारी दावों के बीच रीठी शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में लगभग 30 वर्ष पुराने कंजी के हरे भरे पेड़ की कटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पेड़ कटने से मरीजों, बुजुर्गों, महिलाओं और उनके परिजनों को मिलने वाली प्राकृतिक छांव भी छिन गई है। खास बात यह है कि पेड़ कटाई की अनुमति को लेकर संबंधित विभागों के जवाबों में विरोधाभास सामने आ रहा है। पेड़ कटाई की अनुमति के संबंध में जब राजस्व विभाग के तहसीलदार से जानकारी ली गई तो उन्होंने इसे अब आन लाइन प्रक्रिया की शर्त पर बताए अनुसार पेड़ कटवाने के लिए किसी से अनुमति नहीं ली गई, बल्कि बीएमओ द्वारा अपनी मर्जी से पेड़ कटवाया गया। बीएमओ पर हमेशा मनमानी के मामले सामने आते रहते हैं, यदि कर्मचारियों की यह जानकारी सही है तो यह गंभीर जांच का विषय है कि आखिर किसके आदेश पर दशकों पुराना हरा भरा पेड़ काटा गया और क्या निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया का पालन किया गया। प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और जिला प्रशासन के पर्यावरण संरक्षण प्रयासों के बीच सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में पुराने पेड़ की कटाई कई और ग्राम पंचायत के अधिकार क्षेत्र का मामला बताते हुए सरपंच से जानकारी लेने की बात कही। वहीं जब रीठी सरपंच से फोन पर संपर्क कर अनुमति के संबंध में जानकारी चाही गई, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। दूसरी ओर स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों के नाम नहीं बताने सवाल खड़े करती है। आखिर पेड़ काटना क्यों जरूरी हुआ? क्या तकनीकी निरीक्षण कराया गया था? क्या सक्षम प्राधिकारी की लिखित अनुमति ली गई थी? और कटाई के बाद मरीजों के लिए छायादार प्रतीक्षा स्थल की वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई?

सरकारी स्कूल में पढ़ाई का स्तर परखने पहुंचे कलेक्टर, बच्चों से पूछे सवाल

केवलारी में छात्रा ने अंग्रेजी में दिया परिचय, स्कूल की व्यवस्थाओं और नियमित यूनिफॉर्म पर भी दिए निर्देश

कटनी, यशभारत। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का वास्तविक स्तर कागजों से नहीं, बच्चों के जवाबों से पता चलता है। शुक्रवार को ग्राम केवलारी की शासकीय प्राथमिक शाला में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर आशीष तिवारी ने विद्यार्थियों से सीधे सवाल किए। कक्षा 8वीं की छात्रा कल्पना मिश्रा ने अंग्रेजी में अपना परिचय दिया, जबकि छात्र प्रवीण ने भी सवालों के जवाब दिए। हालांकि बच्चों के आत्मविश्वास के बीच स्कूल की व्यवस्थाओं को लेकर भी कलेक्टर ने पड़ताल की। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी सच्चिदानंद पाण्डेय को विद्यार्थियों के निर्धारित यूनिफॉर्म में आने और विद्यालय में जरूरी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर और एसडीएम जितेंद्र पटेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रोज 60 हजार लीटर इथेनॉल उत्पादन

उद्योगपतियों ने कलेक्टर के सामने रखीं समस्याएं

सलैया स्थित प्लांट में उत्पादन और आपूर्ति की जानकारी ली, औद्योगिक इकाइयों के संचालन में आ रही दिक्कतों के निराकरण के निर्देश

कटनी, यशभारत। जिले में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के बीच उद्योगों के सामने आ रही व्यावहारिक समस्याएं अब प्रशासन के सामने रखी जा रही हैं। कलेक्टर आशीष तिवारी ने ग्राम सलैया स्थित वीनस एग्रोफ्यूल प्राइवेट लिमिटेड के इथेनॉल प्लांट का निरीक्षण किया। यहां कंपनी प्रबंधन ने उत्पादन क्षमता, आपूर्ति और औद्योगिक संचालन की जानकारी दी। साथ ही उद्योगपतियों ने अपनी समस्याएं भी कलेक्टर के सामने रखीं।



कंपनी प्रबंधन के मुताबिक प्लांट में प्रतिदिन लगभग 60 हजार लीटर इथेनॉल का उत्पादन किया जा रहा है। यहां तैयार इथेनॉल की आपूर्ति कटनी, छिंदवाड़ा सहित प्रदेश के अन्य जिलों में होती है। इसके अलावा विदेशों में भी इसका विक्रय किया जाता है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उद्योगपतियों से संवाद कर औद्योगिक इकाइयों के संचालन में आ रही कठिनाइयों को जाना। उद्योगपतियों ने विभिन्न समस्याएं उनके सामने रखीं। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

हालांकि उद्योगपतियों ने किन समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और उनके समाधान के लिए क्या समय-सीमा तय की गई, यह स्पष्ट नहीं किया गया। ऐसे में अब संबंधित विभागों की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

जनजातीय गौरव सप्ताह होंगे विविध आयोजन

18 नवंबर तक पंचायत, तहसील और जिला स्तर पर कार्यक्रम



कटनी,यशभारत। बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर भाजपा द्वारा 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत जिले में भी पंचायत, तहसील और जिला स्तर पर विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टण्डन विधायक धीरेंद्र सिंह, सोहन सिंह और एकता ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रमों में जनजातीय महापुरुषों के संघर्ष, बलिदान और योगदान को याद किया जाएगा। लोकनृत्य, संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और गौरव चौपाल के माध्यम से जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को सामने लाया जाएगा। वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जल, जंगल और जमीन की रक्षा के संघर्ष को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया।





अंतिम संस्कार से लौट रहे भजन गायक की हादसे में मौत





बेटे की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सके पिता ने भी तोड़ा दम

परसवारा में दर्दनाक दुर्घटना, बरही में शोक की लहर

बरही/कटनी, यशभारत। सिहोरा के हरदुआ से अपने मौसिया के अंतिम संस्कार के उपरांत बाइक से माता-पिता के साथ घर लौट रहे बरही के डोकरिया गांव के भजन गायक दिलीप तिवारी सड़क हादसे में मौत की नींद सो गए। इस हादसे में उनके पिता विश्वनाथ तिवारी और मां राधा तिवारी भी बुरी तरह जख्मी हो गए। बेटे की मौत के सदमे के बीच घायल पिता ने भी दम तोड़ दिया। यह सड़क हादसा बरही थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम परसवारा के पास 2 बाइकों की सीधी भिड़ंत से हुआ। घायल राधा तिवारी को बरही से प्राथमिक उपचार के बाद कटनी रिफर किया गया। इस दर्दनाक घटनाक्रम से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई। हादसे ने एक ही परिवार की खुशियां छीन लीं।

जानकारी के अनुसार बरही के डोकरिया गांव निवासी भजन गायक दिलीप तिवारी अपने माता पिता के साथ सिहोरा के हरदुआ से मौसिया के अंतिम संस्कार में शामिल होकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम परसवारा के पास दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में 40 वर्षीय दिलीप तिवारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पिता विश्वनाथ तिवारी और मां राधा तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए बरही अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए विश्वनाथ तिवारी और राधा तिवारी को कटनी रिफर किया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में विश्वनाथ तिवारी ने भी दम तोड़ दिया। बेटे की मौत के बाद पिता की भी मौत की खबर से परिवार और गांव में मातम पसर गया।







सुरीली आवाज से जादूगर थे दिलीप

अपनी सुरीली आवाज से भजनों के माध्यम से लोगों के हृदय में भक्ति और श्रद्धा का संचार करने वाले भजन गायक, सरस्वती विद्यालय बरही के आचार्य दिलीप तिवारी बरही के ग्राम डोकरिया निवासी विश्वनाथ तिवारी के पुत्र थे। दिलीप तिवारी केवल भजन गायक ही नहीं, बल्कि अपनी मधुर आवाज और गायन की अनूठी शैली से लोगों के दिलों में खास जगह बनाने वाले कलाकार थे। उनके भजनों में ऐसी मिठास और भावनात्मक गहराई थी, जो सुनने वालों को मंत्रमुग्ध कर देती थी। उनकी आवाज क्षेत्र के धार्मिक आयोजनों और भजन संध्याओं की पहचान बन चुकी थी। कितना पीड़ादायक है कि जिस आवाज ने अब तक अनगिनत हृदयों में भक्ति के स्वर घोले, वह आवाज आज हमेशा के लिए खामोश हो गई। उनका यूं अचानक दुनिया से विदा हो जाना परिवार, शुभचिंतकों और चाहने वालों के लिए कभी न भरने वाली क्षति है।

सरस्वती विद्यालय में आचार्य के रूप में दे रहे थे सेवाएं

वे सरस्वती विद्यालय बरही में आचार्य के रूप में भी सेवाएं दे रहे थे। डोकरिया निवासी विश्वनाथ तिवारी के पुत्र दिलीप अपनी सुरीली आवाज के माध्यम से भजनों में भक्ति और श्रद्धा का संचार करते थे। एक ओर जवान बेटे की असमय मौत और दूसरी ओर पिता का भी दुनिया से चले जाना, इस परिवार पर दुखों का ऐसा पहाड़ टूटा है जिसकी कल्पना भी विचलित कर देती है। मां राधा तिवारी के घायल होने के बीच परिवार पर आई इस दोहरी विपदा से डोकरिया गांव सहित पूरे बरही क्षेत्र में शोक का माहौल है।



नवंबर-दिसंबर में विवाह के केवल 10 मुहूर्त

देवउठनी एकादशी से बजेगी शहनाई, 22 दिन बाद लगेगा एक माह का विराम

कटनी, यशभारत। चार माह के विराम के बाद देवउठनी एकादशी से एक बार फिर शहनाइयां गूंजने लगेंगी। 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी के साथ विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत होगी। इसे देखते हुए शहर के मैरिज गार्डन, होटल और रिसोर्ट में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके बाद 22 दिन बाद 16 दिसंबर से खरमास शुरू होने के कारण विवाह आयोजनों पर एक बार फिर फिर विराम लग जाएगा। 14 जनवरी को मकर संक्रांति के बाद दोबारा विवाह समारोह शुरू होंगे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार नवंबर और दिसंबर में विवाह के लिए कुल 9 शुभ मुहूर्त और देवउठनी एकादशी अबूझ मुहूर्त हैं। नवंबर में 21, 24, 25 और 30 तारीख को विवाह के शुभ योग बन रहे हैं। इनमें 20 नवंबर को तुलसी विवाह का विशेष संयोग है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन को अबूझ मुहूर्त माना जाता है। यही वजह है कि इस दिन बड़ी संख्या में विवाह होने की संभावना है। दिसंबर में 2, 3, 9, 11 और 12 तारीख विवाह के लिए शुभ रहेंगी। इसके बाद 16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में प्रवेश के साथ खरमास प्रारंभ हो जाएगा। सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार खरमास में विवाह, गृह प्रवेश सहित अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने के साथ ही चातुर्मास समाप्त हो जाता है और मांगलिक कार्यों का सिलसिला शुरू होता है। सीमित शुभ मुहूर्त होने के कारण नवंबर-दिसंबर में मैरिज गार्डन, होटल, कैटरिंग और विवाह आयोजनों से जुड़े कारोबार में तेजी आने की उम्मीद है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी से योगनिद्रा में लीन भगवान श्री हरि विष्णु चार माह चातुर्मास के बाद इस दिन जागते हैं। इस पावन तिथि के साथ ही विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे सभी मांगलिक कार्यों के शुभ मुहूर्त पुनः शुरू हो जाते हैं।

पुलिस को चकमा देकर भागे आरोपियों का सुराग नहीं

बहोरीबंद पुलिस जेल में दाखिल कराने लाई थी आरोपियों को

जेल गेट के सामने घटना, महकमे में मचा हड़कंप, एक दोबारा पकड़ाया

कटनी, यशभारत। कटनी में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली घटना सामने आई है। बहोरीबंद थाने से जिला जेल में दाखिल कराने लाए गए तीन आरोपी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गए। जिनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। हैरानी की बात यह रही कि आरोपी जेल के मुख्य गेट के सामने से ही पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें सक्रिय की गईं।



पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर शाम बहोरीबंद पुलिस 151 के तहत कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों राकेश, रंजीत और अभिषेक को जिला जेल में दाखिल कराने पहुंची थी। पुलिस टीम तीनों को जेल के भीतर दाखिल कराने की प्रक्रिया पूरी कर पाती, इससे पहले ही तीनों आरोपी पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गए। जेल गेट के सामने हुई इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली और आरोपियों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोपियों के फरार होने के बाद पुलिस ने तत्काल उनकी तलाश शुरू की। संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस की सक्रियता के बाद एक आरोपी को दोबारा पकड़ने में सफलता मिली, जबकि दो अन्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर बताए जा रहे हैं।

आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें सक्रिय : एसडीओपी

स्लीमनाबाद एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी ने बताया कि फरार दोनों आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं। संभावित स्थानों पर तलाश की जा रही है और जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इधरए शहर में पहले से ही चर्चित किसना ज्वेलर्स चोरी कांड को लेकर पुलिस पर दबाव बना हुआ है। ऐसे में जिला जेल के सामने से पुलिस अभिरक्षा में लाए गए आरोपियों का फरार होना पुलिस महकमे के लिए एक नई चुनौती बन गया है।

शराब के नशे में एम्बुलेंस चला रहा था चालक

कोतवाली पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत की कार्रवाई

कटनी, यशभारत। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों, विशेषकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। निर्देशों के पालन में कोतवाली पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में चाण्डक चौक पर यातायात व्यवस्था के दौरान एक एम्बुलेंस चालक तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन को लहराते हुए चलाता दिखाई दिया। चालक के वाहन चलाने के तरीके को देखकर उसके शराब के नशे में होने की आशंका हुई तथा किसी गंभीर सड़क दुर्घटना की संभावना को देखते हुए पुलिस द्वारा तत्काल एम्बुलेंस को रुकवाया गया। पुलिस द्वारा सर्वप्रथम एम्बुलेंस के अंदर किसी मरीज अथवा घायल व्यक्ति के होने की जानकारी ली गई। जांच में एम्बुलेंस में चालक के अतिरिक्त कोई अन्य व्यक्ति नहीं पाया गया। इसके पश्चात चालक का मौके पर ही ब्रीथ एनालाइजर मशीन से परीक्षण किया गया, जिसमें उसके द्वारा शराब का सेवन किया जाना पाया गया। चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई करते हुए एम्बुलेंस को जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त मिशन चौक से चाण्डक चौक तक नो-पार्किंग जोन में चार पहिया वाहन खड़े किए जाने से प्रतिदिन यातायात बाधित होने एवं जाम की स्थिति निर्मित होने पर 5 चार पहिया वाहन चालकों के विरुद्ध भी नो-पार्किंग के तहत चालानी कार्रवाई की गई।



असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद

फिजियोथेरेपी क्लीनिक से स्टील की रेलिंग चोरी



कटनी, यशभारत। शहर के व्यस्ततम इलाके चांडक चौक स्थित मैक्स स्पाइन फिजियोथेरेपी एंड ऑस्टियोपैथिक क्लिनिक में असामाजिक तत्वों द्वारा मरीजों की सुविधा के लिए लगाई गई स्टील की रेलिंग उखाड़ कर ले जाने का मामला सामने आया है। घटना आज सुबह करीब 5.30 बजे की है। क्लिनिक संचालक डॉ परम पटेल ने बताया कि क्लिनिक के मुख्य द्वार पर तीन सीढ़ियों पर बुजुर्गों और दर्द से पीड़ित मरीजों के चढ़ने-उतरने की सुविधा के लिए यह मजबूत स्टील रेलिंग लगवाई गई थी, जिसे अज्ञात चोर सुबह-सुबह पूरी तरह उखाड़कर ले गए। चोरी की वारदात से मरीजों और आसपास के लोगों में काफी नाराजगी है। क्लीनिक संचालक ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोरों की जल्द पहचान की जाए और कार्रवाई की जाए।

छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए शिक्षकों को ट्रेनिंग

नवीन पाठ्यक्रम आधारित माध्यमिक शिक्षकों का प्रशिक्षण

विजयराघवगढ, यशभारत। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के आदेशानुसार शासकीय बालक माध्यमिक शाला में माध्यमिक शाला के गणित विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण 11 नवंबर 26 से 15 नवंबर तक आयोजित किया गया है। जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं एनसीएफएसई 2023 द्वारा समस्त अध्यनरत विद्यार्थियों को उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने हेतु एनसीईआरटी द्वारा तैयार की गई कक्षा 7 के गणित विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों का बीआर सी सीएसी एस मरकाम के निर्देशन में प्रशिक्षण प्रभारी रवि प्रकाश डेहरिया, बीएसी महेंद्र मिश्रा, जे पी द्विवेदी एवं संदीप मिश्रा के सहयोग से मास्टर ट्रेनर अशोक कुमार चौधरी, बंधन कुमार जार, कमल किशोर तिर्की, वीरेंद्र सिंह बरकड़े, अभय कुमार अवधिया एवं बसंत लाल कोल द्वारा समस्त माध्यमिक शाला के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। द्वितीय दिवस के प्रशिक्षण में बीआरसी सीएसी एस मरकाम द्वारा सभी शिक्षकों को बारीकी से प्रशिक्षण प्राप्त करने निर्देशित किया है, ताकि किसी भी विषय में कोई शंका उत्पन्न ना हो। शिक्षण कार्य के समय बच्चों में सरलता से समझ विकसित हो सके। प्रशिक्षण में संतोष कुमार मिश्रा, श्याम सुंदर त्रिपाठी, प्रियंका खरे, नीलू गर्ग, संगीता पांडे, दुलीचंद पाल, गीता यादव, कुसुम कली तिर्की, नलिनी सोनी, तेज कुमार पन्ना, चंद्र प्रकाश तिवारी, मनोज कुमार पांडे, मोहम्मद नसीम, साधना मिश्रा, राजेश चौधरी सहित 60 शिक्षक प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं।



यशभारत की प्रति प्राप्त करने के लिए संपर्क करें
हेल्पलाइन नंबर : 9425362893, 9425160957, 9826248140
कार्यालय : द्वारका सिटी रोड, बीएसएनएल के सामने, कटनी

डॉ. अदिति चौदहा
बी.डी.एस. मुख एवं दंत रोग विशेषज्ञ
पूर्व रेसीडेन्ट डेंटल सर्जन
अपोलो हॉस्पिटल बैंगलूरू
Smile Zone Dental Clinic
आधुनिक उपकरणों एवं नई तकनीक से दंत चिकित्सा
क्लीनिक : मां दुर्गा हॉस्पिटल के पास, आदर्श कॉलोनी रोड, कटनी (म.प्र.)

हृदय रोग जाँच केन्द्र
• सीने में दर्द • बिना वजह पसीना आना
• साँस फूलना • बैचेनी और घबराहट रहना
• अत्यधिक थकान
यदि निम्न में से कोई भी लक्षण अपके शरीर में है तो आपके हृदय संबंधित जाँच करवाना आवश्यक है
जैसे E.C.G (ई.सी.जी.)- हृदय गति की जाँच
ECHO CARDIO GRAPHY (इकोकार्डियोग्राफी)
हृदय आकार, कार्य क्षमता व हृदय मॉसपेशियों की जाँच
TMT (ट्रेड मिल टेस्ट)–हृदय धमनियो की प्राथमिक जाँच
नवजात व छोटे बच्चों के दिल में सुराख व दिल की बीमारीयो की जाँच की जाती है।
+ सी.आर.एम.क्लीनिक +
पता- डॉ. शर्मा तिराहा, रूपलाल सोनी मार्केट पुरानी बस्ती, आजाद चौक, कटनी (म.प्र.)
मो. 8826395999 - 07622-225824
डॉ. अभिषेक शर्मा एम.बी.बी.एस. डिप.कार्ड, (पी.जी.डी.सी.सी.) हृदय एवं मधुमेह रोग चिकित्सक

धर्मलोक हॉस्पिटल
पता- आदर्श कॉलोनी रोड, जयप्रकाश वार्ड, नई बस्ती, कटनी
फोन- 07622- 422390, 796084, मो. नं.- 8305402024
अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं
जनरल सर्जरी विभाग, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, अस्थि रोग विभाग, मेडिसन विभाग, नवजात एवं शिशु विभाग, दंत विभाग, एक्टसीडेंट एवं ट्रामा यूनिट
आयुष्मान कार्ड से भी इलाज की सुविधा
24 घंटे-सीटी स्केन सुविधा, एम्बुलेंस सुविधा, मेडिकल स्टोर्स, इमरजेंसी एवं भर्ती की सुविधा

AT DLG CINEMAS
FROM 5 NOVEMBER
Ramayana
12:00 AM, 1:30, 4 PM
5:30, 8:00, 9:30 PM
FOR BOOKING CONTACT :
DLG CITY CENTRE
माधवनगर गेट के पास, कटनी (म.प्र.) फोन 07622-473999
BOOKING OPEN NOW KINDLY VISIT | bookmyshow

JOIN US : सिटी प्राईड सिनेमा में
13 नवम्बर से रोजाना 3 शो
3D 2D 2D
AUDI-1 - 01:00PM | 05:00PM | 09:00PM
13 नवम्बर से रोजाना 4 शो
2D 2D 2D 2D
AUDI-2 - 10:00AM | 02:00PM | 06:00PM | 10:00PM

चिंतन-मनन

विकास की कसौटी

भारत आज दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। आर्थिक विकास के आंकड़े, बढ़ता बुनियादी ढांचा, एक्सप्रेसवे, आधुनिक रेल नेटवर्क, डिजिटल सेवाएं और औद्योगिक विस्तार देश की बदलती तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। विकसित भारत का सपना भी इसी प्रगति की मजबूत नींव पर खड़ा है। लेकिन इस चमकती तस्वीर के बीच एक सवाल लगातार सामने आता है कि क्या आर्थिक विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंच रहा है? क्या आम आदमी का जीवन उतना ही आसान और सुरक्षित हुआ है, जितनी तेजी से देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है? आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह निश्चित रूप से उत्साहजनक उपलब्धि है। आर्थिक विकास से निवेश, उत्पादन, व्यापार और सरकारी राजस्व के अवसर बढ़ते हैं। इसके लिए सरकार की नीतियों, उद्योगों की भूमिका और बुनियादी ढांचे के विस्तार का महत्व भी स्वीकार करना होगा। हालांकि, जीडीपी की वृद्धि अपने आप में आम नागरिक की आर्थिक खुशहाली का पूरा प्रमाण नहीं हो सकती। विकास का वास्तविक अर्थ तब सामने आता है, जब उसका लाभ किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी, नौकरीपेशा व्यक्ति, युवा और मध्यमवर्गीय परिवार तक पहुंचे। आज आम परिवार की सबसे बड़ी चिंता महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार है। एक सामान्य परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई, मकान के किराये, राशन, बिजली और चिकित्सा पर खर्च करता है। निजी अस्पतालों में इलाज और निजी शिक्षण संस्थानों की फीस लगातार बड़ी आर्थिक चुनौती बनती जा रही है। सरकारी अस्पतालों और विद्यालयों पर भी आबादी का दबाव है। ऐसे में आर्थिक विकास के आंकड़ों के साथ यह देखना भी जरूरी है कि आम आदमी की बचत बढ़ रही है या उसकी आय का अधिकांश हिस्सा जरूरी खर्चों में समाप्त हो रहा है। देश के सामने रोजगार का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। युवाओं के पास डिग्रियां हैं, तकनीकी शिक्षा है और आगे बढ़ने की आकांक्षा भी है, लेकिन उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप स्थायी रोजगार मिलना अभी भी बड़ी चुनौती है। केवल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना पर्याप्त नहीं है। उद्योगों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, कृषि आधारित व्यवसायों और सेवा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने होंगे। स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के साथ छोटे उद्यमियों को आसान ऋण, बाजार और तकनीकी सहायता उपलब्ध करानी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य को विकास की प्राथमिकता बनाना भी आवश्यक है। सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षित शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएं और डिजिटल सुविधाएं सुनिश्चित होनी चाहिए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता का अंतर कम करना होगा। इसी तरह सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सक, दवाएं, जांच सुविधाएं और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराना जरूरी है। स्वास्थ्य सेवा इतनी सुलभ हो कि किसी परिवार को बीमारी के कारण अपनी वर्षों की बचत या संपत्ति गंवानी न पड़े। विकास का एक महत्वपूर्ण पक्ष ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी है। किसान की आय, कृषि की लागत, सिंचाई, फसल का उचित मूल्य और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए बिना समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा और कमजोर वर्गों के लिए बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी विकास के मूल्यांकन का हिस्सा होनी चाहिए। सरकार के लिए आवश्यक है कि बजट और नीतियां बनाते समय बड़े निवेश और विकास दर को प्राथमिकता के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, स्वच्छ पेयजल, सस्ती आवास व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाए। योजनाओं की सफलता का आकलन इस आधार पर होना चाहिए कि उनका लाभ कितने लोगों तक पहुंचा और उनके जीवन में कितना वास्तविक बदलाव आया। इसके लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और स्थानीय स्तर पर नियमित निगरानी जरूरी है। विकसित भारत का सपना किसी एक सरकार, संस्था या वर्ग का लक्ष्य नहीं बल्कि पूरे देश की सामूहिक आकांक्षा है। आर्थिक शक्ति और आधुनिक तकनीक इस लक्ष्य तक पहुंचने के महत्वपूर्ण साधन हैं, लेकिन अंतिम मंजिल नागरिकों की खुशहाली है। देश तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब किसी गरीब बच्चे को अच्छी शिक्षा के लिए संघर्ष न करना पड़े, किसी परिवार को इलाज के अभाव में परेशानी न झेलनी पड़े और किसी युवा को रोजगार के लिए अपनी योग्यता से समझौता न करना पड़े। जीडीपी देश की आर्थिक प्रगति बताती है, लेकिन आम आदमी के चेहरे की संतुष्टि ही विकास की वास्तविक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

कड़वे वचन



किसी ने पूछाः मंदिर जाते हैं तो पहले घंटी क्यों बजाते हैं? मैंने प्रतिप्रश्न कियाः फोन आता है तो पहले घंटी क्यों बजती है? फोन की घंटी इशारा है कि किसी ने पुकारा है और मंदिर की घंटी भी इशारा है कि प्रभु तेरा ही सहारा है। मंदिर की घंटी के संग मन मंदिर की घंटी भी बजनी चाहिए। कहें- हे प्रभु मेरा नाथ तू है, दुनिया में हूं अकेला, पर मरे साथ तू है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-14 नवम्बर, 2026
दिन-शनिवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष
घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन
उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क
रुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रूपाय नमः का जाप करें

सिंह
वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या
कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला
धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक
मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु
आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर
घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ
दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन
लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

14 नवंबर बाल दिवसः अधिकार, संस्कार और सुनहरे भविष्य का संकल्प

बच्चों के मौलिक अधिकारों, उनकी शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के प्रति समाज को जागरूक करने तथा उन्हें सुरक्षित एवं रचनात्मक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती का भी अवसर है, जिन्हें बच्चे स्नेहपूर्वक चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। वास्तव में, बाल दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शोषण से बचाकर उनके अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें अच्छी शिक्षा एवं समुचित पोषण उपलब्ध कराना और उनके संपूर्ण विकास के लिए सुरक्षित तथा खुशहाल वातावरण तैयार करना है, ताकि वे देश के बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।गौरतलब है कि वर्ष 1889 में जन्मे पंडित जवाहरलाल नेहरू की वर्ष 2026 में 137वीं जयंती है। वर्ष 1964 में उनके निधन के बाद से 14 नवंबर को बाल दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई और इस वर्ष इसका 63वाँ आयोजन है। वहीं, प्रतिवर्ष 20 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस (विश्व बाल दिवस) मनाया जाता है। इस अवसर पर यूनिसेफ बच्चों के अधिकारों, कल्याण और उनके बेहतर भविष्य से जुड़े मुद्दों को वैश्विक स्तर पर प्रमुखता देता है तथा प्रतिवर्ष इस दिशा में एक विशेष विषय पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

आज हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के तेज रफ्तार युग में जी रहे हैं। ऐसे में बाल दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि बच्चों के बदलते बचपन और उनके सामने उभरती नई चुनौतियों पर गंभीर चिंतन करने का अवसर भी बन गया है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के बच्चे मिट्टी के खिलौनों और दादी-नानी की कहानियों की दुनिया से निकलकर स्मार्टफोन, टैबलेट और एल्गोरिदम की आभासी दुनिया में बड़े हो रहे हैं। जहाँ एक ओर एआई ने व्यक्तिगत शिक्षा, त्वरित ज्ञान और दिव्यांग बच्चों के लिए सीखने के नए द्वार खोले हैं, वहीं दूसरी ओर तैयारशुदा और पलभर में मिलने वाले उत्तरों की सुविधा ने उनकी मौलिक कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और स्वयं प्रयास करके सीखने की प्रवृत्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं।ऐसे में इस बाल दिवस की सबसे बड़ी सार्थकता यही है कि हम बच्चों को तकनीक का गुलाम बनाने के बजाय उसका विवेकशील उपयोगकर्ता बनाएं। उनके हाथों में स्मार्ट उपकरण थमाने के साथ-साथ उनके भीतर मानवीय संवेदनाओं, खेल के मैदान की ऊर्जा और प्रकृति से जुड़ाव की लौ भी जीवित रखें। तकनीक उनके ज्ञान और विकास का साधन बने, न कि उनके स्वाभाविक बचपन और रचनात्मकता पर हावी होने का माध्यम।

वास्तव में, बाल दिवस आत्ममंथन करने का दिन है कि हम अपने बच्चों को कैसा बचपन और कैसा भविष्य दे रहे हैं। आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तकनीक बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम उम्र में ही उनके मन-मस्तिष्क पर हावी होने लगा है, तब बच्चों के विकास को केवल अच्छे अंक और बेहतर करियर तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। सच तो यह है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सबसे पहले उन्हें सुरक्षित, स्नेहपूर्ण और भयमुक्त वातावरण देना जरूरी है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि बच्चे का व्यक्तित्व केवल स्कूल की चारदीवारी में नहीं बनता, बल्कि परिवार, समाज, मित्रों और परिवेश से भी आकार लेता है। माता-पिता



का समय, उनका व्यवहार, आपसी संवाद और दिए गए संस्कार बच्चे के मानसिक एवं भावनात्मक विकास की बुनियाद होते हैं। अतः आज जरूरत इस बात की है कि माता-पिता बच्चों पर अपनी अपेक्षाएँ थोपने के बजाय उनकी रुचियों, क्षमताओं और भावनाओं को समझें तथा उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर दें।

स्वामी विवेकानंद के शब्दों में कहें तो, मनुष्य की अंतर्निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है। अर्थात् शिक्षा भीतर छिपी श्रेष्ठ संभावनाओं को बाहर लाने का माध्यम है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना और नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, विवेकशील तथा जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है।सच तो यह है कि बच्चों को सवाल पूछने, तर्क करने, नई चीजें सीखने और अपनी कल्पनाशक्ति को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। रटने और अंकों की अंधी दौड़ से बाहर निकलकर शिक्षा को रचनात्मकता, व्यावहारिक ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जोड़ना समय की मांग है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा करना ही नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही-गलत में अंतर समझना और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना भी सिखाए।

आज के डिजिटल दौर में बच्चों को मोबाइल और आभासी दुनिया तक सीमित रखने के बजाय मैदान, पुस्तकालय, प्रकृति और वास्तविक सामाजिक जीवन से जोड़ना भी बेहद जरूरी है। बच्चों के विकास में खेलकूद, पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद और नियमित दिनचर्या की अहम भूमिका होती है। खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व, धैर्य और हार को स्वीकार करने की सीख भी देते हैं। इसी तरह संगीत, साहित्य, कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों की संवेदनशीलता, कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति क्षमता को समृद्ध करती हैं।इसके साथ ही,आज बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी अत्यंत आवश्यक है। हमें समझना होगा कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता। किसी की रुचि विज्ञान में होती है तो किसी की साहित्य, खेल, संगीत या कला में। किसी की सीखने की गति तेज होती है तो किसी को थोड़ा अधिक समय चाहिए। ऐसे में बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करना, छोटी-छोटी गलतियों पर उन्हें अपमानित करना और असफलता को अपराध की तरह देखना उनके आत्मविश्वास को कमजोर करता है। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का एक अवसर है।बच्चों में संवेदनशीलता, समानता, पर्यावरण संरक्षण, बुजुर्गों के प्रति सम्मान, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे जीवन-मूल्यों का विकास भी जरूरी है। हमारी जिम्मेदारी केवल उन्हें सफल व्यक्ति बनाना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनाना भी है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास की बात तब तक अधूरी है, जब तक समाज उनके मौलिक अधिकारों और सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं समझता। बाल श्रम, बाल विवाह, शोषण, लैंगिक भेदभाव और शिक्षा से वंचित बच्चों की समस्याओं के प्रति समाज को गंभीर होना होगा। प्रत्येक बच्चे को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलना उसका मौलिक अधिकार है, किसी का उपकार नहीं।यह भी जरूरी है कि परिवार, विद्यालय, समाज और सरकार मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करें, जहाँ बच्चे बिना किसी भय और दबाव के अपनी प्रतिभा को निखार सकें। उनकी बात सुनी जाए, उनकी जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित किया जाए और उनकी समस्याओं को गंभीरता से समझा जाए। बच्चों के अधिकारों की रक्षा केवल कानूनों और सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, इसके लिए सामाजिक संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है।

बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी हैं। यह दिन पंडित जवाहरलाल नेहरू के उस सपने की याद दिलाता है, जिसमें हर बच्चा शिक्षित, स्वस्थ और सुरक्षित हो। यह अवसर हमें संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें तथा समाज उन्हें बाल श्रम, शोषण और अन्य सामाजिक बुराइयों से बचाने के लिए सजग रहे।बच्चों को केवल किताबी ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार, प्रेम, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्य देना भी उतना ही आवश्यक है। यदि आज के बच्चों को उचित मार्गदर्शन, शिक्षा, पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलेगा, तो कल का भारत स्वतः ही सशक्त और समृद्ध बनेगा। हर बच्चे को खिलखिलाने, खेलने, अपनी जिज्ञासाओं को उड़ान देने और सपनों को साकार करने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए।

अंततः, बाल दिवस की सच्ची सार्थकता केवल समारोहों, भाषणों और उपहारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हमारे व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारी में भी दिखाई देनी चाहिए, क्योंकि जिस समाज का बचपन सुरक्षित, शिक्षित, स्वस्थ और खुशहाल होता है, उसी समाज का भविष्य उज्ज्वल होता है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार)

स्त्री-प्रश्नों पर मूक होता समाज



सद्य विवाहिताओं की मृत्यु के मामले अक्सर मीडिया में चर्चित होते रहते हैं। इन मामलों में देखने में आता है कि इनकी शिकार बनने वाली महिलाएं लगातार ऐसी परिस्थितियों के बीच रहने को विवश होती हैं जिनमें किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए जीना मुश्किल होता है। ऐसे मामले होने के बाद लड़कियों के घरवाले ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना सहित कई तरह के आरोप लगाते हैं और उन्हें मरने हेतु विवश करने या जान लेने का दोषी बताते हैं। इन सभी मामलों में सबसे कॉमन चीज यह है कि दहेज के लालच में या लड़की के परिवार से पैसे ऐंठने के चक्कर में ऐसी घटनाएं होती हैं। एक सामाजिक के रूप में दहेज देने वाला अपराध में, दहेज लेने वाले के बराबर ही हिस्सेदार होता है। लड़के के साथ ही लड़की के माता-पिता भी इसमें बराबर के दोषी होते हैं।

हमारे देश में दहेज हत्या की दर बहुत चिंताजनक है। दहेज निषेध अधिनियम 1961 से लागू होने के बावजूद दहेज की वजह से होने वाली मृत्यु में वृद्धि इस प्रथा की लगातार बढ़त को दर्शाती है। दहेज के लिए अब भी बहुत महिलाओं को उत्पीड़न, मारपीट और आत्महत्या जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में कई सारी धाराएं हैं जिनमें आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है लेकिन लम्बी जाँच प्रक्रिया की वजह से दोषियों को सजा मिलना दुर्लभ बना हुआ है। गवाही देने के लिए कोई भी तैयार नहीं होता, जानते-बुझते सब अपना मुँह सी लेते हैं, ऐसे में सजा हो पाना सम्भव ही नहीं रह जाता। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार भारत में 2017 से 2022 के बीच प्रतिवर्ष औसतन 7,000 दहेज से संबंधित हत्याएँ दर्ज की गईं। इन आँकड़ों में वे मामले शामिल नहीं होते जिनकी शिकायत नहीं की जाती। विश्व बैंक द्वारा वर्ष 1960 से 2008 तक ग्रामीण भारत में किये गए एक अध्ययन में पाया गया कि 95% शादियों में दहेज दिया गया था। यानी दहेज शादी का पर्याय हो चुका है।

दहेज के कारण बड़ी संख्या में होने वाली मौतों के बावजूद इस प्रथा का जारी रहना यह बताता है कि किसी सामाजिक समस्या को कानून बनाने मात्र से हल नहीं किया जा सकता। पिछले सालों में जिस तरह की भव्य शादियों का ट्रेंड हुआ है इससे यह कुप्रथा और भी बढ़ रही है। आत्मनिर्भर और शिक्षित लड़कियों की शादियों में भी खुलकर दहेज दिया जा रहा है। फिर कैसे यह सब रुकेगा जब समाज इसका भिन्न-भिन्न कारण बताकर महिमामंडन भी किए जा रहा है? यह प्रथा महिलाओं का वस्तुकरण करती है और पितृसत्तात्मक समाज में लैंगिक भेदभाव को बनाए रखने का माध्यम बनती है। दहेज का मुद्दा एक समाज के रूप में हमारे लिए विषय कभी नहीं बनता। इसमें सभी बराबर के भागीदार हैं। बेटी को दहेज दिया ही इसलिए जाता है कि उसका हिसाब बेटे की शादी में कर लिया जाएगा। दहेज किस तरह भारतीय पारिवारिक व्यवस्था में औरत को दोयम दर्जे पर बनाए रखने की पुख्ता व्यवस्था करता है इस पर कोई बहस नहीं होती। दहेज आर्थिक मसला नहीं है न केवल यह महिलाओं की शिक्षा या आर्थिक आत्मनिर्भरता से जुड़ा है। यह पूरी व्यवस्था पैतृक सम्पत्ति से स्त्रियों को अलग करने और ताउम्र उन्हें पुरुष पर निर्भर रखने के लिए बनाई गई है। बेटी को सम्पत्ति के हक से महरूम करना और दहेज देना एक ही विषय के दो पहलू हैं। सम्पत्ति में हक नहीं देना पड़े इसीलिए दहेज दिया जाता है। इससे लड़कियाँ अहसान के रूप में उम्रभर भावनात्मक रूप से अपने परिवार पर निर्भर बनी रहती हैं। यह स्त्रियों को सदैव पराधीन बनाए रखने का तन्त्र है जिसे थोड़ा नुकसान झेलकर बनाए रखा जा सकता है। लड़की को दिए जाने वाले दहेज पर भी उसका अपना कोई हक नहीं होता वह अगले परिवार की सम्पत्ति है। बहुत सारा दहेज देकर विदा की हुई बेटी भी अपने घर में लौट नहीं सकती है। कोई समस्या होने पर अधिकांश लड़कियों का परिवार उन्हें अकेला छोड़ देता है और मृत्यु तक सब कुछ ठीक होने का इंतज़ार करता है। यह किस दर्जे की क्रूरता है? भारत में विवाह जहाँ एक सामाजिक मसला है वहीं विवाह में आने वाली समस्या को निजी माना गया है। इन दोनों के अन्तर्विरोध से भारतीय विवाह समस्याओं और संकटों के कुरुक्षेत्र बनने को बाध्य रहते हैं। सामाजिक दबाव के कारण परिवार दहेज मांगों को पूरा करना जहाँ अपनी मजबूरी मानते हैं वहीं इस वजह से होने वाली हिंसा का सामान्यीकरण किया जाता है। उत्पीड़न और हिंसा के अनेक मामलों की रिपोर्ट ही नहीं की जाती। समाज दहेज लोभी परिवारों का विरोध करने की बजाय इस गैरकानूनी प्रथा को प्रत्यक्ष या परोक्ष तरीके से बढ़ावा देने का काम करता है। इस पूरी व्यवस्था में महिलाएं, भले ही वह माँ हो या सास पितृसत्ता की सबसे बड़ी पैरोकार बनकर खड़ी होती हैं। वे लड़की के होने को, उसकी सगाई टूटने को, शादी के बाद वापस घर लौटने को, अलग हो जाने को, लड़की के अस्मिता बोध को परिवार के लिए शर्म की तरह परिभाषित करती हैं। इस तरह लड़की के लिए स्वयं को बचाए रखने का कोई रास्ता समाज नहीं छोड़ता।प्रश्न यह है कि क्या इन मौतों से हमारे समाज को कोई फ़र्क पड़ता है, फ़र्क यदि पड़ता तो देशभर में रोज-रोज ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहती? लोग इन घटनाओं को सामाजिक व्यवस्था की उपज और अनिवार्य स्थिति नहीं मानते बल्कि दुर्घटनाओं की तरह मानते हैं। इससे उन्हें इन घटनाओं के पीछे की कहानी में अपनी भूमिका को विश्लेषित नहीं करना पड़ता, वे स्वयं अपराध-बोध से मुक्त रहते हैं। ऐसी मनोवृत्ति में ही इस तरह की घटनाएँ दोहराई जाती रहती हैं। इन्हें लड़की का दुर्भाग्य मानकर छोड़ दिया जाता है। यही कारण है कि ऐसे आरोप वाले परिवारों में लोग अपनी बेटियां देने में नहीं हिचकते, उन लड़कों का बहुत जल्द पुनर्विवाह हो जाता है। लड़की के मरने को समाज में समस्या के तौर पर नहीं देखा जाता बल्कि शर्म मानकर उसे दबा दिया जाता है। समाज की स्मृति में इन हत्याओं का कोई स्थान नहीं होता। दहेज के लिए होने वाली हत्याओं में कितनों को सजा होती हैं, वे केस फिर कुछ ले-देकर उठा लिए जाते हैं। जब तक समाज में महिलाओं को अपने निर्णय लेने की आजादी नहीं होगी तब तक ऐसे मामले होते ही रहेंगे। अकेले व्यक्ति से गलती हो सकती है लेकिन एक व्यवस्था जिस गलती को सालों-साल दोहराती है वह गलती नहीं सामाजिक निर्णय होता है। उन निर्णयों के बदलने हेतु सामाजिक संरचना को बदलना आवश्यक होता है। लड़कियों को ही अपने बारे में सोचना पड़ेगा। माता-पिता पर भावनात्मक निर्भरता ठीक है किन्तु अपनी कदर भी उन्हें करनी सीखनी चाहिए। उन्हें ही अपने लिए रास्ते बनाने होंगे, समाज उनके लिए सदैव से एक बंद रास्ता ही है।

(डॉ. मोनिका भाम्भू कलाना -यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण



2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

(लेखक - ललित गर्ग, लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

वियतनाम में बाग प्रिंट की धूम, 40 देशों के बीच चमकी मध्यप्रदेश की कला

हनोई के ग्लोबल क्राफ्ट फेस्टिवल में खत्री बंधुओं की प्रदर्शनी बनी आकर्षण

सिंगापुर और मलेशिया में भी करेंगे बाग प्रिंट का प्रचार

भोपाल, यश भारत।

मध्यप्रदेश की पारंपरिक हस्तशिल्प कला बाग प्रिंट अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रही है। वियतनाम की राजधानी हनोई में 13 से 16 नवंबर तक आयोजित ग्लोबल क्राफ्ट फेस्टिवल में मध्यप्रदेश के मास्टर शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री और डॉ. मोहम्मद आरिफ खत्री भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 40 से अधिक देशों की भागीदारी वाले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में खत्री बंधुओं की प्रदर्शनी विदेशी मेहमानों और कला प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। खत्री बंधु अपनी प्रदर्शनी के माध्यम से बाग प्रिंट की ऐतिहासिक विरासत पारंपरिक ठप्पा छपाई और प्राकृतिक रंगों के उपयोग की जानकारी दे रहे हैं। लोहे की भस्म वनस्पतियों और जड़ी बूटियों से तैयार रंगों तथा सागवान



की लकड़ी के पारंपरिक ठप्पों से तैयार इस कला की बारीकियां विदेशी प्रतिनिधियों को खासा प्रभावित कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग को ध्यान में रखते हुए खत्री बंधुओं ने मलबरी सिल्क टसर सिल्क और कॉटन से बने दुपट्टे स्कार्फ स्टोल और होम फर्निशिंग के विशेष उत्पाद प्रदर्शित किए हैं। इनके डिजाइन और पारंपरिक शिल्प कौशल को खरीदारों स्थानीय नागरिकों और फैशन विशेषज्ञों की सराहना मिल रही है।

सिंगापुर की यूनिवर्सिटी में होगी कार्यशाला

हनोई के बाद 24 और 25 नवंबर को खत्री बंधु सिंगापुर की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय कार्यशाला, मास्टरक्लास और लाइव डेमोंस्ट्रेशन देंगे। इसमें विद्यार्थियों, प्रोफेसरों और फैशन डिजाइनरों को बाग प्रिंट की तकनीक से रूबरू कराया जाएगा। इसके बाद वे मलेशिया के दौरे पर जाएंगे जहां हस्तशिल्प संगठनों और फैशन ब्रांड्स के साथ संवाद करेंगे। मोहम्मद बिलाल खत्री के अनुसार फेस्टिवल के पहले दिन ही प्रदर्शनी को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। इस अंतरराष्ट्रीय सहभागिता से बाग प्रिंट के वैश्विक बाजार और निर्यात की संभावनाओं को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।



छह दिवसीय इंटर्नशिप ओरिएंटेशन में प्रशिक्षित होंगे भावी आयुर्वेदिक चिकित्सक

मानसरोवर आयुर्वेदिक कॉलेज में शिशिक्षा-2026 का शुभारंभ

भोपाल, यश भारत।

मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर भोपाल में बीएएमएस बैच 2021-22 के इंटर्न विद्यार्थियों के लिए छह दिवसीय अनिवार्य रोटेटरी इंटर्नशिप ओरिएंटेशन कार्यक्रम शिशिक्षा 2026 का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के दिशा निर्देशों के तहत आयोजित यह कार्यक्रम 19 नवंबर तक चलेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. अनुराग सिंह राजपूत ने किया। उन्होंने बताया कि बेंच टू बेडसाइड थीम पर आधारित इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक चिकित्सा चिकित्सकीय नैतिकता अस्पताल प्रबंधन एवं आधुनिक नैदानिक पद्धतियों का प्रशिक्षण देना है। संस्थान की सीएमडी श्रीमती मंजुला तिवारी एवं सीईडी इंजीनियर गौरव तिवारी ने आयोजक मंडल और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।



रेलवे ने घर पहुंचकर बनाए 49 पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

छनेरा में मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक की पहल, बुजुर्ग और अस्वस्थ पेंशनरों को मिली बड़ी राहत

भोपाल, यश भारत।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने पेंशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घर-घर जाकर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) बनाने की पहल की है। इसी क्रम में शुक्रवार को छनेरा में मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक ने रेलवे पेंशनरों के आवास पर पहुंचकर 49 डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार किए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और अस्वस्थ पेंशनरों को जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कार्यालयों या अन्य स्थानों पर जाने की परेशानी से बचाना है। रेलवे कर्मचारी कल्याण विभाग की टीम घर पहुंचकर यह सुविधा उपलब्ध करा रही है जिससे पेंशनरों को काफी सहूलियत मिल रही है। मंडल रेल प्रशासन के अनुसार पेंशनरों की सुविधा और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए इस तरह के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। घर पर ही डिजिटल प्रमाण पत्र बनने से बुजुर्गों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिली है। रेलवे की इस पहल की पेंशनरों ने सराहना की है।

दीपावली मिलन समारोह में शामिल हुए विधायक भगवानदास सबनानी

वार्ड 32 में पार्षद आरती अनेजा ने किया आयोजन, बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता रहे मौजूद



भोपाल, यश भारत। दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 32 में शुक्रवार को पार्षद एवं जोन अध्यक्ष आरती राजू अनेजा द्वारा दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें विधायक भगवानदास सबनानी शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विधायक सबनानी ने उपस्थित लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए मिष्ठान खिलाकर मुंह मीठा कराया। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व समाज में एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। यह त्योहार केवल घरों को ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों को भी रोशन करने का संदेश देता है। उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

युवक ने किया ट्रैक्टर चालक पर कुल्हाड़ी से हमला

नर्मदापुरम/पिपरिया, यशभारत। स्टेशन रोड थाना अंतर्गत रिछेड़ा नदी के समीप रास्ते से हटने की बात को लेकर हुए विवाद के दौरान एक युवक ने ट्रैक्टर चालक पर कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया।हमले में बीजनवाड़ा निवासी सचिन स्वामी (35) गंभीर रूप से घायल हो गए,उनके सिर पर कुल्हाड़ी का गहरा घाव लगा है। घटना के बाद घायल को उपचार के लिए पिपरिया के शासकीय अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि सचिन स्वामी शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर लेकर खेत की ओर जा रहे थे।इस दौरान रिछेड़ा नदी के पास सड़क किनारे पुरुषोतम चौरसिया बैठा हुआ था। रास्ते में बैठे पुरुषोत्तम को सचिन ने ट्रैक्टर निकालने के लिए हटने को कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते में ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपी ने कुल्हाड़ी से सचिन पर हमला कर दिया।घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

निर्बाध बिजली और राजस्व वसूली पर बिजली कंपनी सख्त

फेल ट्रांसफार्मरों की वापसी और बकायादारों के कनेक्शन काटने की कार्रवाई में तेजी लाने को कहा

भोपाल, यश भारत।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने शुक्रवार को मिसरोद स्थित कार्यालय में भोपाल शहर की विद्युत आपूर्ति तकनीकी कार्यों और राजस्व वसूली की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने और निर्धारित समय-सीमा में राजस्व लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने प्रत्येक 11 केवी फीडर का सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर



वितरण ट्रांसफार्मरवार उपभोक्ता इंडेक्सिंग पूरी करने को कहा। फेल ट्रांसफार्मरों को एरिया स्टोर में जमा कराने और डीटीआर सर्वे व रीकंडीशनिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए एमडी ने सक्रिय और निष्क्रिय बकायादारों से समयबद्ध वसूली करने तथा नियमानुसार बिजली कनेक्शन काटने को कहा। अटलांटिस और प्राइड सिटी उपकेंद्रों के खराब स्विचगियर के स्थायी समाधान के लिए कंपनियों का पैनल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने हिनोतिया फीडर के रखरखाव की समीक्षा के साथ मिसरोद उपकेंद्र का निरीक्षण किया। परिसर की सफाई और 8 एमवीए ट्रांसफार्मर का आगामी सप्ताह में निर्धारित रखरखाव कराने के निर्देश भी दिए।

कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने किया शुभारंभ

भेल स्थापना दिवस पर एक लाख पौधारोपण अभियान शुरू



भोपाल, यश भारत।

भेल भोपाल में शुक्रवार को स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। प्रशासनिक भवन परिसर में कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने भेल ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान भेल गीत का प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक डीआरओ यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर भेल ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रगति वन गोविंदपुरा स्थित आठ नंबर गेट के पास एक लाख पौधारोपण अभियान शुरू किया। कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान का मार्गदर्शन महाप्रबंधक (मानव संसाधन) हेमराम पटेल करेंगे। वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) समीर पॉल अभियान के समन्वय में सहयोग करेंगे। अभियान का उद्देश्य भेल उपनगरीय क्षेत्र में हरित क्षेत्र का विस्तार जैव विविधता को बढ़ावा और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना है। इस पहल के माध्यम से भेल ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

89 हजार घरों का सर्वे, 4208 घरों में मिला मच्छरों का लार्वा

भोपाल में डेंगू के 206 और मलेरिया के 13 मरीज मिले

भोपाल, यश भारत।

राजधानी में डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम ने विशेष अभियान शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक जिले में डेंगू के 206 और मलेरिया के 13 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। सितंबर से अब तक 89 हजार 702 घरों का सर्वे किया गया जिसमें 4208 घरों में मच्छरों का लार्वा मिला। वहीं 6 लाख 38 हजार



591 कंटेनरों की जांच में 5023 कंटेनरों में लार्वा पाया गया जिसे नष्ट किया गया। मलेरिया जांच के निर्धारित लक्ष्य का 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। रोकथाम के लिए घर-घर सर्वे फॉगिंग लार्विसाइड छिड़काव और जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जल स्रोतों में 1 लाख 5 हजार गैम्बोसिया मछलियां भी छोड़ी गई हैं। नगर निगम ने नियमों का उल्लंघन करने वालों पर स्पॉट फाइन लगाने के निर्देश दिए हैं।



महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप को लेकर भोपाल में तैयारियां तेज

19 नवंबर से छह देशों की टीमें दिखाएंगी दमखम, मंत्री विश्वास सारंग ने शिक्षण संस्थानों से युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की अपील की

भोपाल, यश भारत। आगामी 19 नवंबर से भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में आयोजित होने वाली महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन को जन उत्सव बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक की। इसमें प्रतियोगिता के प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों की भागीदारी पर चर्चा हुई। मंत्री सारंग ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से भोपाल को वैश्विक खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। प्रतियोगिता में छह देशों की महिला हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने स्कूल-कॉलेजों से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को स्टेडियम तक लाने की अपील की। उन्होंने बताया कि नाथू बरखेड़ा के हॉकी मैदान को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से कैटेगरी 1 प्रमाणपत्र मिला है। हैदराबाद के बाद भोपाल देश का दूसरा शहर है, जहां यह सुविधा उपलब्ध है। सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश खेल रैंकिंग में 17वें से तीसरे स्थान पर पहुंचा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हर विधानसभा में खेल परिसर विकसित किए जा रहे हैं। प्रतियोगिता से युवाओं में खेल संस्कृति अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा।

12 नवंबर से 11 दिसंबर तक मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर प्राप्त करेंगे दावे-आपत्तियां, चार दिन लगेंगे विशेष शिविर

बनखेड़ी में 148 बीएलओ को दिया गया मतदाता सूची पुनरीक्षण का प्रशिक्षण

बनखेड़ी, यश भारत।

भारत निर्वाचन आयोग एवं कलेक्टर तथा जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र 139 पिपरिया के अंतर्गत तहसील बनखेड़ी में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को लेकर शुक्रवार को जनपद पंचायत बनखेड़ी के सभाकक्ष में बीएलओ का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें मतदान केंद्र क्रमांक 196 से 343 तक के कुल 148 बूथ लेवल अधिकारियों एवं 14 सुपरवाइजरों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर एवं तहसील निर्वाचन शाखा प्रभारी उमाकांत मिश्रा ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सभी बीएलओ 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित



रहकर मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 21 एवं 22 नवंबर तथा 5 एवं 6 दिसंबर को विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ को फार्म-6 के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, फार्म-7 के जरिए मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपित करने तथा फार्म-8 के माध्यम से मतदाता सूची में स्थानांतरण एवं संशोधन की प्रक्रिया समझाई गई। सभी आवेदन बीएलओ एप के माध्यम से दर्ज करने के साथ ऑफलाइन फार्म भरना भी अनिवार्य बताया गया। प्रत्येक आवेदन के प्रथम पृष्ठ तथा मतदाता की घोषणा एवं हस्ताक्षर वाले पृष्ठ को अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए।

इस अवसर पर तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्रीमती अंजू लोधी ने सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने से वंचित न रहे तथा किसी पात्र मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से सूची से नहीं काटा जाए। उन्होंने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी जिम्मेदारी एवं सावधानी से कार्य करने की बात कही। प्रशिक्षण में प्रोजेक्टर के माध्यम से बीएलओ एप की कार्यप्रणाली भी समझाई गई। इस दौरान सभी 148 बीएलओ एवं 14 सुपरवाइजर उपस्थित रहे।



एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे

13 से 22 नवंबर तक डीसी कॉलेज में लगेगा वार्षिक शिविर

शाहनगर, यशभारत। युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से शाहनगर के 35 एनसीसी कैडेट वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए कटनी रवाना हुए। 32 एम बटालियन एनसीसी कटनी के अंतर्गत आयोजित यह शिविर 13 से 22 नवंबर तक डीसी कॉलेज कटनी में आयोजित होगा।

विद्यालय के एनसीसी प्रभारी एवं सेकंड ऑफिसर अखिलेश मिश्रा के मार्गदर्शन में कैडेट्स को विद्यालय प्राचार्य बी.एल. पांडेय ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया। उन्होंने कैडेट्स को शिविर में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की सीख दी। सीएटीसी-175 वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण के साथ नेतृत्व क्षमता, सामूहिक कार्यकुशलता, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। शिविर का उद्देश्य युवाओं को एक अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना है।

शाहनगर की सहभागिता को विद्यालय और क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। कैडेट्स से प्रशिक्षण के दौरान बेहतर प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करने की उम्मीद जताई गई है।

पटवारी के तबादले पर ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

कार्यप्रणाली से संतुष्ट होने का हवाला देकर सौंपा आवेदन

शाहनगर, यशभारत। सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ शिकायतें और तबादले की मांग आम बात है, लेकिन शाहनगर तहसील में एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां ग्रामीणों ने पटवारी के स्थानांतरण का विरोध शुरू कर दिया है। ग्राम पंचायत टूंडा और महिलवारा के ग्रामीण शुक्रवार को एकजुट होकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे और हल्का पटवारी बृजेश लोधी को दोबारा उन्हीं हल्कों में पदस्थ करने की मांग की। ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपे आवेदन में कहा कि पटवारी बृजेश लोधी की कार्यप्रणाली से क्षेत्र के लोग संतुष्ट हैं।



शिकायत नहीं, समर्थन में पहुंचे ग्रामीण

इस मामले की खास बात यह है कि आमतौर पर पटवारियों के खिलाफ शिकायतें लेकर ग्रामीण प्रशासन तक पहुंचते हैं, लेकिन यहां ग्रामीण अपने पटवारी के समर्थन में आवेदन देने पहुंचे। यह घटनाक्रम क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। सवाल यह भी है कि जब किसी कर्मचारी की कार्यशैली से ग्रामीण संतुष्ट हैं, तो उनकी मांग पर प्रशासन कितना ध्यान देता है। वहीं, मामले में शाहनगर एसडीएम ने बताया कि वर्तमान में स्वामित्व योजना का कार्य चल रहा है, जिसकी प्रतिदिन समीक्षा की जाती है। अब ग्रामीणों के आवेदन पर प्रशासन क्या निर्णय लेता है, इस पर सबकी नजर रहेगी।



निजी स्कूलों की मान्यता के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

सत्र 2027-28 के लिए नवीन मान्यता और नवीनीकरण के साथ कक्षा वृद्धि व भवन परिवर्तन के लिए भी कर सकेंगे आवेदन

पन्ना,यशभारत। जिले के अशासकीय विद्यालयों के संचालकों के लिए शैक्षणिक सत्र 2027-28 की मान्यता संबंधी प्रक्रिया शुरू हो गई है। नवीन मान्यता और मान्यता नवीनीकरण के अलावा कक्षा वृद्धि तथा विद्यालय भवन का स्थान परिवर्तन कराने के लिए भी ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार विद्यालय संचालक 30 नवंबर तक आरटीई एमपी मोबाइल एप के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) किरण कौशिक ने बताया कि आवेदन के साथ विद्यालय भवन, प्रशिक्षित शिक्षकों और उपलब्ध संसाधनों की जियोटैग फोटो अपलोड करना अनिवार्य होगा। साथ ही विद्यालयों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के निर्धारित मापदंडों का पालन करना होगा।आवेदन और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी के लिए स्कूल संचालक जिला शिक्षा केन्द्र पन्ना अथवा संबंधित जन शिक्षा केन्द्र से संपर्क कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा में आवेदन करना विद्यालयों के लिए जरूरी होगा।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करना पड़ा महंगा!



फरियादी को जेल भेजने की धमकी देने का आरोप

पन्ना,यशभारत। जिले के गुनौर थाना क्षेत्र में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने के बाद फरियादी को कथित तौर पर धमकाने का मामला सामने आया है। एक युवक ने थाना पुलिस पर शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने और ऐसा नहीं करने पर जेल भेजने व झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक पन्ना को आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

गुनौर निवासी रोहित गुप्ता पिता कन्हैयालाल गुप्ता के मुताबिक, उसने संकुल गुप्ता पिता बैजनाथ गुप्ता के खिलाफ धोखाधड़ी और पैसों के लेन-देन को लेकर 30 मई 2026 को थाना गुनौर में आवेदन दिया था। लंबे समय तक कार्रवाई नहीं होने पर उसने 12 अक्टूबर 2026 को सीएम हेल्पलाइन में शिकायत क्रमांक 41050858 दर्ज कराई।

रोहित का आरोप है कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायत के बाद 12 नवंबर को थाना गुनौर में पदस्थ कुछ पुलिसकर्मी उसकी दुकान पर पहुंचे और शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने लगे। आरोप के मुताबिक, पुलिसकर्मियों ने शिकायत वापस नहीं लेने पर जेल भेजने और झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। इस घटनाक्रम से वह भयभीत है।

एसपी से जांच और कार्रवाई की मांग

पीड़ित ने 13 नवंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत सौंपी। उसने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कर संबंधित पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के साथ ही धोखाधड़ी और लेन-देन से जुड़ी अपनी मूल शिकायत पर भी कार्रवाई की मांग की है। मामले में अब दो सवाल अहम हैं–क्या सीएम हेल्पलाइन की शिकायत वापस लेने के लिए वास्तव में दबाव बनाया गया और क्या मूल शिकायत पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई? इन आरोपों की निष्पक्ष जांच और पुलिस का पक्ष सामने आना जरूरी है।

आदिवासी सम्मान और किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस का प्रदर्शन



किसानों पर सांसद की टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस में आक्रोश

कटनी,यशभारत। आदिवासी समाज की अस्मिता, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों के सम्मान तथा किसानों के हितों की रक्षा के मुद्दे पर जिला कांग्रेस कमेटी और आदिवासी संगठन कांग्रेस ने पुरानी कचहरी चौराहे पर संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं सांसद जनार्दन मिश्रा के पुतले दहन कर कांग्रेसजनों ने अपना विरोध दर्ज कराया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला ने कहा कि आदिवासी समाज का सम्मान और किसानों के अधिकार कांग्रेस की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। जनभावनाओं को आहत करने वाले बयानों और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस सड़क से सदन तक लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करती रहेगी।

आदिवासी संगठन कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अजय कोल ने कहा कि आदिवासी समाज की अस्मिता, संस्कृति और परंपराएं गौरवशाली विरासत हैं। इनके सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। समाज अपने अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद करता रहेगा। प्रदर्शन में जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह पूर्व विधायक बसंत सिंह, रजनी वर्मा, ओमकार सिंह टेकाम, अजय सिंह, रंजीत सिंह, तुलाराम गोटिया, प्रेम बत्रा, राजा जगवानी, जालेम यादव, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, अजय जैसवानी, प्रशांत जायसवाल, आनंद पटेल, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता, आदित्य जैन, नारायण निषाद, मंगल सिंह, नरेंद्र राय, विजय नारायण सिंह, जॉर्ज डेविड, अदिता वर्मा, माया चौधरी, लता खरे, रुक्मिणी पांडे, कल्पना पाठक, राजकुमार कल्लू विश्वकर्मा, रमेश अहिरवार, अंशु गुप्ता, शरद खटीक, रामनरेश सिंह, राजेश निषाद, विकास निगम, श्याम गोटिया, इरशाद खान, फरीद खान, आकाश ताम्रकर, साहिल नामदेव एवं हर्षित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आदिवासी समाज के सम्मान, किसानों के स्वाभिमान और आमजन के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।





मतदाता जागरूकता पर छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

निर्वाचन साक्षरता क्लब की पहल, लोकतांत्रिक मूल्यों और मतदान प्रक्रिया की दी जानकारी

कटनी, यशभारत। शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में निर्वाचन साक्षरता क्लब के अंतर्गत निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने जागरूक मतदाता की भूमिका, युवाओं की चुनाव में सहभागिता और मताधिकार के महत्व पर विचार रखे। वहीं क्विज प्रतियोगिता में निर्वाचन आयोग, ईवीएम, वीवीपैट, मतदाता सूची और मतदान प्रक्रिया से जुड़े सवाल पूछे गए। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने कहा कि ऐसी गतिविधियां युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी विकसित करती हैं। उन्होंने छात्राओं से स्वयं जागरूक मतदाता बनने और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किया गया।

बाल विवाह पर छात्राओं को किया जागरूक



सरसवाही के आदिवासी कन्या शिक्षा परिसर में जागरूकता कार्यक्रम

कटनी,यशभारत। बाल विवाह रोकने के लिए अब छात्राओं को जागरूकता अभियान से जोड़ने की पहल की जा रही है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग ने आदिवासी कन्या शिक्षा परिसर सरसवाही में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं और शिक्षकों को बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों और इसके दुष्परिणामों की जानकारी दी।कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास वनश्री कुर्वेती ने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका और 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह कानूनन अपराध है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत इसमें दो वर्ष तक के कारावास और एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।बाल संरक्षण अधिकारी मनीष तिवारी ने कहा कि कम उम्र में विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करता है। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि बाल विवाह की जानकारी मिलने पर चुप न रहें। इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन नंबर 112, महिला हेल्पलाइन 181 या निकटतम पुलिस थाने में दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष योगेश सिंह बघेल, सदस्य कमलेश पटेल, प्राचार्य अतुल कुमार निगम, अधीक्षक हेमलता बैरागी सहित शिक्षक और छात्राएं मौजूद रहीं। अंत में सभी ने बाल विवाह रोकने और बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

विश्व शांति और सद्भावना के लिए 24 घंटे गूंजेंगे साईं भजन



कटनी,यशभारत। विश्व शांति एवं सद्भावना की मंगलकामना के साथ प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला 24 घंटे का अखंड साईं भजन कार्यक्रम इस वर्ष भी 14 नवंबर शनिवार को आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार शाम 6 बजे शास्त्री कॉलोनी स्थित अजीत खरे के विद्या भवन मैरिज गार्डन में होगा। भजनों की यह अखंड स्वरधारा रविवार 15 नवंबर को शाम 6 बजे तक जारी रहेगी। आयोजन की विशेषता यह है कि भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के विभिन्न साईं केंद्रों में भी इन्हीं निर्धारित तिथियों पर लगभग एक साथ अखंड भजन शुरू होकर संपन्न होते हैं। भारत के सभी केंद्रों में कार्यक्रम का समय एक समान रखा जाता है। इस आयोजन के माध्यम से साईं भक्त सामूहिक रूप से विश्व शांति, आपसी प्रेम, सद्भावना और मानव कल्याण की कामना करते हैं।

धान खरीदी से पहले रकबा सुधार की मांग

बाकल में किसानों ने कलेक्टर के नाम सौंपा सामूहिक ज्ञापन, पराली जलाने की अनुमति देने की उठाई मांग

कटनी, यशभारत। धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू होने से पहले पंजीयन में दर्ज रकबे की गड़बड़ी किसानों के लिए परेशानी बनती जा रही है। वास्तविक रकबे से कम भूमि दर्ज होने के कारण किसानों को अपनी पूरी उपज समर्थन मूल्य पर बेच पाने की चिंता सता रही है। इसी समस्या सहित बिजली की अनियमित आपूर्ति और पराली जलाने की अनुमति की मांग को लेकर बाकल क्षेत्र के किसानों ने एकजुट होकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। किसानों ने नायब तहसीलदार बाकल माधव सिंह मोगरे को ज्ञापन देकर बताया कि धान विक्रय के लिए किए गए पंजीयन में कई किसानों का वास्तविक रकबा कम दर्ज हुआ है। यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया तो किसान अपनी पूरी उपज सरकारी खरीदी केंद्रों पर नहीं बेच पाएंगे और बची हुई धान की फसल खुले बाजार में कम कीमत पर बेचने को मजबूर होंगे। ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राकेश पटेल ने कहा कि खेतों में पर्याप्त बिजली नहीं मिलने से सिंचाई और अन्य कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। किसानों ने पराली जलाने की अनुमति देने की मांग भी उठाई। ज्ञापन में प्रशासन से रकबा पंजीयन की जांच कर तत्काल सुधार कराने, पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने और किसानों की समस्याओं को देखते हुए पराली संबंधी मांग पर निर्णय लेने की अपील की गई। इस दौरान राकेश पटेल, काशीराम पटेल, उमाशंकर पटेल, रामचरण पटेल, बिहारी पटेल, राजेन्द्र सिंह लोधी, सलमान सिंह पटेल, दीपक पटेल, सीताराम पटेल, सुखचैन पटेल, राकेश चौधरी, विजय लोधी और गंगाराम पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।



66 मोटरों की जांच कर वसूले 2.36 लाख रुपए

9 मोटर पंप जब्त; 12 बकायादारों के काटे कनेक्शन

कटनी, यशभारत। बिजली बिलों की वसूली और विद्युत नियमों के पालन को लेकर बिजली विभाग ने बाकल क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। बुधवार 11 नवंबर को सहायक अभियंता दिलदार डावर के नेतृत्व में बहोरीबंद, बचैया और बाकल की संयुक्त टीमों ने विद्युत कनेक्शनों और मोटर पंपों की जांच की। कार्रवाई के दौरान 9 मोटर पंप जब्त किए गए, जबकि लंबे समय से बिल जमा नहीं करने वाले 12 उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काट दिए गए। विभागीय टीम ने अभियान के दौरान कुल 66 मोटरों की जांच की। अस्थायी कनेक्शन (टीसी) की जमा राशि के रूप में 37 उपभोक्ताओं से 2 लाख 36 हजार रुपए का राजस्व संग्रहित किया गया। इसके अलावा 25 उपभोक्ताओं से बकाया बिल के रूप में 6 हजार 300 रुपए वसूले गए।जांच में नियमों के विरुद्ध पाए गए 9 मोटर पंप जब्त किए गए। वहीं करीब 80 हजार रुपए का बिजली बिल बकाया होने पर 12 उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेदित किए गए। कार्रवाई के दौरान 13 पंचनामे भी तैयार किए गए।

श्रेयस अय्यर सबसे कम एकदिवसीय खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल



माउंट माउंगानुई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तानी संभालते ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। वह एकदिवसीय प्रारुप में कमान संभालने वाले 29 वें कप्तान बने है। यह पहली बार है जब उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में टीम की बागडोर संभाली है। इस अहम भूमिका को निभाने से पहले, श्रेयस ने भारतीय टीम की ओर से 85 एकदिवसीय मैच खेले थे। इस प्रकार वह सबसे कम मैच खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गये हैं।

श्रेयस का 85 मैचों के बाद ही एकदिवसीय में कप्तानी संभालना भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक रोचक आंकड़ा पेश करता है। भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने पहली बार एकदिवसीय कप्तानी संभालने से पहले 100 या उससे भी अधिक मैच खेले थे। इस सूची में सबसे ऊपर भारतीय क्रिकेट के महान स्पिनर अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 217 एकदिवसीय मैच खेलने के बाद पहली बार भारत की कमान संभाली थी। इस सूची में वीरेंद्र सहवाग ने सबसे कम 70 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की थी, जबकि हार्दिक पंड्या ने 71 एकदिवसीय खेलने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली थी। वहीं महेन्द्र सिंह धोनी ने 81 और सुरेश रैना ने 90 मैच खेलकर कप्तानी संभाली थी। इस तरह, 85 वनडे खेलने के बाद कप्तान बने श्रेयस अय्यर, धोनी (81) और रैना (90) के बीच में आते हैं। दिलीप वेंगसरकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 98-98 एकदिवसीय खेलने के बाद कप्तानी हासिल की थी। रोहित शर्मा ने 171 एकदिवसीय , शिखर धवन ने 142 एकदिवसीय और राहुल द्रविड़ ने 138 एकदिवसीय खेलने के बाद इस प्रारुप में कप्तानी हासिल की थी। अजय जड़ेजा ने भी 129 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की भूमिका संभाली थी।वहीं, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 119 एकदिवसीय, सौरव गांगुली और के. श्रीकांत ने 111-111 एकदिवसीय, जबकि विराट कोहली ने 104 और गौतम गंभीर ने 100 एकदिवसीय खेलने के बाद ही पहली बार टीम की बागडोर संभाली थी।

डेब्यू मैच में 28 गेंदों में 5 विकेट; 21 साल के महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ मचाई तबाही

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया वर्सेस इंग्लैंड पहला वनडे पर्थ में खेला जा रहा है। इस मैच में 21 साल के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन महफिल लूट ले गए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मात्र 28 गेंदों में अपना 5 विकेट हॉल लिया। वह डेब्यू मैच में 5 विकेट हॉल लेने दुनिया के 18वें और ऑस्ट्रेलिया के मात्र दूसरे ही गेंदबाज बने हैं। महली बियर्डमैन से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए 1988 में टोनी डोडेमेड ने श्रीलंका के खिलाफ पहली बार यह कारनामा किया था। वहीं दुनिया में ऐसा श्रीलंका के उवैस करनैन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1984 में किया था। ऐसा नहीं है कि महली ने पुछल्ले बल्लेबाजों के विकेट चटकाए हो, उनके इस 5 विकेट हॉल में जो रूट से लेकर हैरी ब्रूक जैसे धकाड़ बल्लेबाज मौजूद हैं। उन्होंने इन दोनों के अलावा सैम करन, लियाम डेवसन और जॉर्डन क्रॉक का विकेट चटकाया।

महली बियर्डमैन ने अपने वनडे करियर की शुरुआत मेडन ओवर से की थी। दूसरे ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक का तो तीसरे ओवर में जो रूट का विकेट चटकाया। इसके बाद उन्हें चौथे ओवर में जॉर्डन क्रॉक और सैम कुर्रन के रूप में 2 विकेट मिले। उन्होंने अपना 5 विकेट हॉल पांचवें ओवर में ही लियाम डेवसन का विकेट लेकर पूरा किया।

- पहले ओवर में मेडन।
- दूसरे ओवर में 1 विकेट।
- तीसरे ओवर में 1 विकेट।
- चौथे ओवर में 2 विकेट।
- पांचवें ओवर में 1 विकेट।

महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ7.4 ओवर में मात्र 24 रन खर्च कर कुल 6 विकेट चटकाए। उनके इस धाकड़ प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड की पूरी टीम 131 रनों पर ही सिमट गई। महली ने जोफ्रा आर्चर के रूप में अपना 6ठा विकेट लिया।



आईपीएल 2027 मिनी नीलामी के लिए मुस्तफिजुर सहित सात बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने नाम दिये

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के आगामी मिनी नीलामी में इस बार बांग्लादेश के 7 खिलाड़ी शामिल है। जिसमें एक नाम तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान का भी है। ये वही मुस्तफिजुर रहमान हैं, जो पिछले सत्र में विवादों में रहने के कारण आईपीएल से बाहर कर दिये गये थे। पिछले साल, आईपीएल 2026 से पहले, कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्तफिजुर को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की खबरों के मद्देनजर उपजे विरोध प्रदर्शनों के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के हस्तक्षेप के बाद, फ्रेंचाइजी ने सीजन की शुरुआत से पहले ही मुस्तफिजुर को बाहर कर दिया



था। इस घटना ने दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में काफी खटास पैदा कर दी थी और एक बड़ा राजनीतिक-सामाजिक विवाद खड़ा हो गया था। इस घटना के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की तरफ से भी कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। भारत द्वारा 2026 टी20 विश्व कप की मेजबानी का बांग्लादेश ने बहिष्कार किया था।

अब, लगभग दस महीने बाद हालातों में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। आगामी आईपीएल 2027 सीजन के लिए 16 दिसंबर को होने वाले मिनी निलामी के लिए बीसीसीआई ने विभिन्न क्रिकेट बोर्ड्स से खिलाड़ियों की सूची मांगी थी, जिसमें बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भी शामिल रहा। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के सात खिलाड़ियों ने इस नीलामी के लिए अपना नाम पंजीकृत कराया है। इसमें मुस्तफिजुर रहमान के अलावा, नाहिद राणा, रिशाद हुसैन, हसन महमूद, तौहीद हृदोय, तस्कीन अहमद और शोरफुल इस्लाम शामिल हैं।आईपीएल प्रबंधन की तरफसे नीलामी में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची अभी जारी नहीं की गई है। इस सूची को जारी होने में अभी कुछ वक्त लगेगा, क्योंकि सभी 10 फ्रेंचाइजी पहले अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी करेंगी और रिलीज किए गए खिलाड़ी भी ऑक्शन पूल का हिस्सा बनेंगे।

चीन में पहली बार खेली जाएगी लीजेंड्स टी20 क्रिकेट लीग

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में पहली बार क्रिकेट लीग शुरु होने जा रही है। इससे देश में क्रिकेट को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है। विश्व चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट (डब्ल्यूसीसी) ने चीन के डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स के साथ मिलकर देश की अपनी तरह की पहली फ्रेंचाइजी आधारित लीजेंड्स टी20 लीग शुरू करने की घोषणा की है। आठ टीमों वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का पहला संस्करण मई 2027 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे। यह कदम चीन में क्रिकेट के विस्तार और विकास के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जो खेल को एक नए बाजार में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा क्रिकेट के लिए नए बाजारों की तलाश और लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए भी इस लीग का महत्व बढ़ जाता है। खेल जानकारों का मानना है कि यह लीग चीन में क्रिकेट के विकास को गति देने और खेल को नए दर्शकों



तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इस महत्वाकांक्षी पहल की नींव अक्टूबर 2026 में डब्ल्यूसीसी और डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) से रखी गई थी। गौरतलब है कि डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स, जियांग्सू प्रांत के ताइचांग स्थित शाक्सी टाउन क्रिकेट सेंटर का संचालन करता है, जो अपनी स्थानीय विशेषज्ञता और उत्कृष्ट खेल सुविधाओं के माध्यम से चीन के बढ़ते खेल बाजार तक विश्वस्तरीय क्रिकेट पहुंचाने में सहायक साबित होगा। वहीं, डब्ल्यूपीसी का संचालन अनुभवी प्रमोटर्स द्वारा किया जा रहा है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी आधारित खेल प्रतियोगिताओं के विकास और संचालन का व्यापक अनुभव है।

रंग संसार

सलमान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन



बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है। ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है।

देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है। सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं।

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के लिए अर्थपूर्ण फिल्में बनाने की अपील की

कहा- बालमन की जिज्ञासा को अपनाना जरूरी

मुंबई (यशभारत)। भारतीय सिनेमा की प्रतिभावान अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के मानसिक विकास और मनोरंजन के लिए विशेष रूप से बनाई जाने वाली फिल्मों की आवश्यकता पर बल दिया है। उनका मानना है कि लिटिल थॉमस जैसी फिल्में बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्रासंगिक हैं, क्योंकि ऐसी कहानियां बाल दर्शकों को अपने खुद के व्यक्तिगत अनुभवों, मासूम भावनाओं और संवेदनाओं से सीधे तौर पर जोड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। इस फिल्म में वे जेसी मिरांडा नामक एक माँ का मुख्य किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस प्रकार का सिनेमा बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सवाल पूछने, रचनात्मक कल्पना करने और अपने आसपास की विशाल दुनिया को अपनी समझ के अनुसार परखने की पूरी आजादी देता है। बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण सिनेमा की जरूरत पर विस्तार से बात करते हुए रसिका दुग्गल ने कहा कि सिनेमा किसी भी व्यक्ति की दुनिया को विस्तार देने और उसकी कल्पनाशीलता को नई उड़ान देने का एक बेहद सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंसान के बड़े होने पर उसके मन में जो तमाम तरह के विचार और दृष्टिकोण विकसित होते हैं, उनका गहरा संबंध



अक्सर बचपन के दिनों में देखी गई फिल्मों और कहानियों से होता है। इसी वजह से फिल्म उद्योग को ऐसी कहानियों का निर्माण अधिक से अधिक करना चाहिए, जिनसे बच्चे खुद को भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। उन्होंने कहा कि निर्माताओं को बच्चों की सहज जिज्ञासा को नजरअंदाज करने के बजाय उसे खुले दिल से अपनाना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि बच्चों के लिए बनाई जाने वाली फिल्में बिना हल्की-फुल्की या सतही हुए भी बेहद मनोरंजक हो सकती हैं। उन्होंने देश भर के फिल्म निर्माताओं से अपील की कि वे बाल दृष्टिकोण वाली ऐसी कहानियों की खोज करें और उन पर काम करें, जिन्हें बच्चे न केवल खुशी-खुशी देख सकें बल्कि वे कहानियां उनकी रचनात्मक कल्पना शक्ति के लिए नए-नए दरवाजे भी खोलें। कौशल ओझा के निर्देशन में बनी फिल्म लिटिल थॉमस 1990 के दशक के सुंदर राज्य गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह सात साल के मासूम बच्चे थॉमस और उसके परिवार के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव को बड़ी ही खूबसूरती से दर्शाती है, जिसकी शैली दर्शकों को मालगुडी डेज और रस्किन बॉन्ड की अमर कहानियों की याद दिलाती है। फिल्म में गुलशन देवैया, रसिका दुग्गल और बाल कलाकार हृदांश पारेख ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।



रामायण देखकर निराश हुए नीतीश भारद्वाज, फिल्म की तारीफ वापस लेने का किया ऐलान

टीवी धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज फिल्म रामायण देखकर निराश हो गए हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पहले की गई अपनी तारीफवापस लेने की घोषणा की है। अभिनेता का कहना है कि रामायण केवल मनोरंजन की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके पात्रों और उनके मूल चरित्र को अपनी सुविधा के अनुसार बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। नीतीश भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामायण भारतीय संस्कृति और चेतना में गहराई से बसी हुई है। इसके नायक, नायिका और खलनायक सभी के चरित्र इस महाकाव्य के मूल संदेश और नैतिक मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा, परंपराओं को बनाए रखने और मर्यादा की स्थापना के लिए राम अवतार लिया था। ऐसे में फिल्म में रावण को असाधारण रूप से उदार, सामाजिक रूप से न्यायप्रिय और निष्पक्ष दिखाना उन्हें पसंद नहीं आया। अभिनेता के मुताबिक, इस तरह का चित्रण रामायण के मूल नैतिक आधार को प्रभावित करता है। इससे भगवान राम के अवतार लेने के उद्देश्य और कहानी के मूल संदेश की महत्ता भी कमजोर हो सकती है।

दिवाली पार्टी में साथ दिखे हिना खान और राजन शाही

मुंबई (ईएमएस)। टीवी अभिनेत्री हिना खान और मशहूर निर्माता राजन शाही की एक तस्वीर इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। दिवाली पार्टी के दौरान दोनों एक ही फ्रेम में नजर आए और साथ में कैमरे के लिए पोज भी दिए। लंबे समय बाद दोनों को इस तरह साथ देखकर प्रशंसक हैरान हैं। तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे हैं कि क्या दोनों के बीच सालों से चली आ रही नाराजगी अब खत्म हो गई है? यह तस्वीर राजन शाही की बेटी इशिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की है। इसमें हिना खान और राजन शाही के साथ कई अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं। दोनों के एक साथ नजर आने पर कुछ प्रशंसकों ने खुशी जताई, जबकि कई लोग उनके रिश्तों में सुधार को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। हालांकि, इस मुलाकात को लेकर अभी तक हिना या राजन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हिना खान और राजन शाही के बीच पुराने मतभेदों की चर्चा काफी



समय से होती रही है। हिना ने राजन शाही के लोकप्रिय धारावाहिक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा का मुख्य किरदार निभाया था। करीब आठ साल तक इस शो का हिस्सा रहने के दौरान उन्होंने घर-घर में पहचान बनाई। बाद में हिना ने अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए शो छोड़ने का फैसला किया था। वर्ष 2024 में एक इंटरव्यू के दौरान हिना ने शो छोड़ने के अनुभव पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि वह शो के निर्माताओं का सम्मान करती हैं, लेकिन उनका शो से अलग होना अच्छे माहौल में नहीं हुआ था। उनके इस बयान के बाद पुराने विवाद ने फिर सुर्खियां बटोरी थीं। दूसरी ओर, राजन शाही ने भी एक इंटरव्यू में हिना के साथ हुए विवाद पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हिना शो की स्क्रिप्ट में काफी दखल देती थीं, जिससे सेट पर परेशानियां होती थीं। राजन के मुताबिक, एक बार हिना ने शिवांगी जोशी के किरदार नायरा के समर्थन में कुछ संवाद बोलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मेकर्स ने उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया था और उन्हें सेट छोड़ने के लिए कहा गया था। अब दिवाली पार्टी की तस्वीर ने दोनों के पुराने विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। हालांकि, साथ में तस्वीर खिंचवाने से यह स्पष्ट नहीं होता कि उनके बीच मतभेद पूरी तरह खत्म हो गए हैं।

साहिबगंज के पेशेवर गिरोह पर संदेह झारखंड पहुंची कटनी पुलिस

वारदात को अंजाम देने के बाद आटो से पहुंचे स्टेशन, ट्रेन से भागे



आईजी का दावा : जल्द पकड़ा जाएगा गिरोह

कटनी, यशभारत। बरगवां स्थित किसना ज्वेलर्स में 11-12 नवंबर की रात हुई 15 करोड़ की सनसनीखेज चोरी की वारदात के तीन दिन बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली है। 72 घंटे की पड़ताल के बाद पुलिस केवल इतना पता लगाने में सफल रही कि इस वारदात में झारखंड के किसी पेशेवर गिरोह का हाथ है। यह गिरोह कटनी कब आया और किस तरह वारदात को अंजाम दिया, इसकी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। पुलिस की अलग-अलग टीमें मामले की जांच में जुटी हुई है। तीन टीमें दूसरे राज्यों की खाक छान रही है। स्थानीय स्तर पर भी अधिकारी मामले की गुत्थी सुलझाने में लगे हुए हैं। दोपहर बाद कटनी पहुंचे आईजी प्रमोद वर्मा ने मीडिया से बातचीत के बाद इस वारदात में झारखंड कनेक्शन होने की बात भी कही है। उन्होंने कहा कि वारदात में किसी पेशेवर गिरोह का हाथ है। किसना ज्वेलर्स में चोरी की वारदात के बाद पुलिस को कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। वारदात में 7 आरोपियों की भूमिका सामने आई है। ये आरोपी 11 नवंबर को कटनी पहुंचे थे और वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई। सूत्रों के मुताबिक आरोपी दीवार तोड़ने के लिए टूलकिट मुंबई से खरीदकर साथ लाए थे, जबकि गैस, ऑक्सीजन सिलेंडर एवं कटर कटनी में खरीदा। वारदात की दरमियानी रात चार बदमाश दीवार में सेंध लगाकर शोरूम के भीतर घुसे हुए और 3 बदमाश आसपास निगरानी करते रहे। आभूषण समेटने के बाद सभी आरोपी ऑटो से रेलवे स्टेशन पहुंचे और सतना की ओर जाने वाली ट्रेन में सवार होकर भाग निकले।

इन सुरागों से मिल रही मदद - पुलिस सूत्रों के अनुसार वारदात में शामिल संदिग्धों को चिन्हित किया गया है। इनकी गिरफ्तारी के लिए उत्तरप्रदेश और बिहार में दबिश दी जा रही है। जांच में सामने आया है कि बदमाश दीवार तोड़ने के उपकरण



अपने साथ लेकर आए थे। ये उपकरण मुंबई में खरीदे गए थे। घटनास्थल के समीप लाल पहाड़ी क्षेत्र में मिली एक रसीद से पुलिस को खरीदी का सुराग मिला है। तिजोरी और लॉकर काटने के लिए गैस सिलेंडर, ऑक्सीजन सिलेंडर और कटर कटनी से खरीदे गए थे। जांच में सामने आया है कि शोरूम में तिजोरी नहीं थी और सिलेंडर-कटर का इस्तेमाल नहीं हुआ। ऐसे में पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों के उपकरण खरीदारी के दौरान उनकी मदद किसने की। गिरोह की गतिविधियों और खरीदारी से जुड़े अन्य साक्ष्यों पता लगाया जा रहा है।

स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों में संदिग्धों की गतिविधियां कैद - वारदात के बाद आरोपियों ने शहर से निकलने के लिए ऑटो का इस्तेमाल किया। वे ऑटो से कटनी रेलवे स्टेशन पहुंचे और सतना की ओर जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए। स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों में संदिग्धों की गतिविधियां कैद होने की जानकारी मिली है। पुलिस अब इन फुटेज के आधार पर उनके हुलिए और आगे की आवाजाही का पता लगाने का प्रयास कर रही है। कटनी से प्रयागराज के बीच रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि ट्रेन से निकलने के बाद आरोपी कहां पहुंचे और किन लोगों के संपर्क में आए।

घटना से पहले कटनी आकर की रैकी- पुलिस को यह इनपुट भी मिला है कि चोरी से कुछ दिन पहले दो आरोपी कटनी पहुंचे थे और उन्होंने शोरूम की रैकी की थी। आरोपियों के वारदात से पहले सतना जिले में ठहरने की जानकारी भी जांच में सामने आई है। पुलिस यह पता लगा रही है कि दोनों आरोपी कहां रुके थे। कटनी में कितनी देर रहे और किन रास्तों से शोरूम तक पहुंचे। यह भी जांच का विषय है कि रेकी करने वाले दोनों आरोपी सात सदस्यीय गिरोह के ही हिस्से थे या उन्होंने किसी अन्य के लिए शोरूम की जानकारी जुटाई थी। यदि रैकी और चोरी में शामिल लोगों की कड़ियां जुड़ती हैं तो गिरोह की पूरी योजना और उसके स्थानीय संपर्कों का पता चल सकता है।

चार बदमाश अंदर, तीन बाहर - वारदात की रात बदमाशों ने शोरूम के पीछे की दीवार में छेद किया और उसी रास्ते अंदर दाखिल हुए। सीसीटीवी फुटेज में चार लोगों के शोरूम के भीतर चोरी करते दिखाई देने की जानकारी सामने आई है, जबकि तीन



अन्य आसपास रहकर निगरानी कर रहे थे। अंदर पहुंचे बदमाशों ने हीरे, सोने और अन्य कीमती आभूषण समेटे और उसी सेंध के रास्ते बाहर निकल गए। शुरुआती आकलन में चोरी गई संपत्ति की कीमत करीब 10 करोड़ रुपए बताई गई थी लेकिन आभूषणों के मिलान के बाद नुकसान का आंकड़ा बढ़कर करीब 15 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। पुलिस अब फुटेज के आधार पर सातों संदिग्धों की अलग-अलग भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

सुरक्षा और निगरानी पर सवाल - चोरी की इस बड़ी वारदात ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की निगरानी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी शोरूम में करोड़ों की चोरी ने पुलिस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आरोपी दूसरे शहर से कटनी पहुंचे। यहां जरूरी सामान खरीदा। रेकी की और रात में बड़ी वारदात को अंजाम देकर रेलवे स्टेशन से निकल भी गए। अब पुलिस के सामने सिर्फ आरोपियों को पकड़ने की चुनौती नहीं है, बल्कि यह भी पता लगाना है कि इतनी बड़ी वारदात की योजना बनाने में उन्हें किस स्तर पर मदद मिली और चोरी के बाद आभूषण कहां खपाने की तैयारी थी।

पेशेवर अपराधियों ने दिया वारदात को अंजाम : आईजी - घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आईजी प्रमोद वर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि अब तक की जांच में वारदात में 6 से 7 लोगों के शामिल होने के संकेत मिले हैं। इनमें अधिकांश पेशेवर अपराधी हैं और उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर पुराने गिरोह द्वारा वारदात को अंजाम दिया जाना लग रहा है। उन्होंने बताया कि झारखंड के साहिबगंज इलाके से इस गिरोह को लेकर अहम सुराग मिले हैं। प्रयागराज, दानापुर और साहिबगंज में पुलिस की टीमें पड़ताल कर रही हैं। आईजी के अनुसार चोरी गए माल का आकलन शोरूम संचालक से मिले दस्तावेजों के आधार पर किया जा रहा है। फिलहाल चोरी की रकम 15-16 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। आइजी श्री वर्मा ने बताया कि इस मामले में कुछ संदिग्धों को चिन्हित किया गया है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें उत्तरप्रदेश के प्रयागराज, बिहार के दानापुर और झारखंड के कई शहरों में पहुंचकर स्थानीय पुलिस के सहयोग से जांच कर रही हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।



आईजी ने कटनी पहुंचकर लिया अपडेट

वारदात की गंभीरता को देखते हुए जबलपुर रेंज के आईजी प्रमोद वर्मा और डीआईजी अतुल सिंह शुक्रवार को घटनास्थल पहुंचे। अधिकारियों ने शोरूम के पीछे बनाई गई सेंध, बदमाशों के प्रवेश के रास्ते और वारदात के दौरान इस्तेमाल किए गए उपकरणों का निरीक्षण किया। उन्होंने जांच में जुटी टीम से अब तक मिले साक्ष्यों, संदिग्धों की पहचान और संभावित ठिकानों के संबंध में जानकारी ली और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए है। वरिष्ठ अधिकारियों के निरीक्षण के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान, गिरफ्तारी और चोरी गए जेवरात की बरामदगी के लिए जांच तेज कर दी है। आईजी ने दावा किया कि पुलिस को जल्द ही मामले में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

अज्ञात व्यक्ति ने ऑनलाइन धोखाधड़ी कर बैंक खाते से निकाले रूपए

कटनी, यशभारत। ढीमरखेड़ा पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी कर खाते से पैसे निकालने की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि राजेश पिता गोपीनाथ शर्मा निवासी ढीमरखेड़ा ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी कर खाते से पैसे निकाले गए है। इसी तरह बरही थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिपरिया कलानिवासी रवि पटेल पिता सुखराम पटेल ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा सायबर फ्राड कर खाते से पैसे निकाल लिए गए हैं। दोनों घटनाओं की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

स्लीमनाबाद में 60 हजार की चोरी

कटनी, यशभारत। स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गुदरी में किन्हीं अज्ञात चोरों ने एक मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने गुदरी निवासी संतरा बाई चौधरी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि चोर मकान के अंदर घुसकर जेवरात लेकर फरार हो गए। जिसकी कीमत 60 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

सी.आर.एम. क्लीनिक
इन्फिनिटी हार्ट इंस्टीट्यूट
जीवन को वर्षों से जोडना
दिनांक-15.11.2026, दिन रविवार को परामर्श उपलब्ध
समय-दोपहर 1 बजे से सायं 3 बजे तक
स्थानः रुपलाल बिहारी सोनी मार्केट, पुरानी बस्ती, आजाद चौक, सम्राट गली के सामने, कटनी (म.प्र.)
फोन-07622-2255824, 7024132323
अपॉइंटमेंट के लिए कृपया हमें कॉल करें 8826395999
उपलब्ध सेवायें- डॉ. अंकित अग्रवाल, एम.डी.डी.एम.(कॉर्डियोलॉजी), एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टर, पेसमेकर, बायपास सर्जरी उपलब्ध जाँचे- ई.सी.जी., ईको, टी.एम.टी., ब्लड टेस्ट
एम.डी. (मेड)आई.एम.एस.बी.एच.यू.ए. वाराणसी डीएम कार्डियोलॉजी एसएसकेएम, आईपीजीएमई एवं आर कोलकता एडवांस कार्डिएक कैथेराइजेशन में फैलोशिप (माउंट सिनाई न्यूयॉर्क) पूर्व सलाहकार एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट 10000 से अधिक एंजियोग्राफी, 4000 एंजियोप्लास्टी और 6000 स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण का अनुभव
CGHS, CSMA, ECHS से मान्यता प्राप्त
विभिन्न लाईफइंश्योरेंस बीमा कंपनी द्वारा मान्यता प्राप्त
राज्य शासन के कर्मचारियों के लिए मान्यता प्राप्त
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना
डॉ. अभिषेक शर्मा
एमबीबीएस डिप. कार्ड, (पीजीडीसीसी)
डॉ. एस. के. शर्मा
एम.डी.मेडिसिन
(वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ)















स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 29, बीएसएनएल ऑफिस के पास, द्वारका सिटी रोड, बरगवां, कटनी से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*, सम्पादक अम्बरीष तिवारी सलाहकार संपादक श्याम कटारे। फोन (07622) 230033, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.co.in (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)